Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 161
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार,10 जनवरी 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 अजमेर सियालदह एक्सप्रेस से बरामद हुए आठ
4 ट्रंप के 500% टैरिफ हथौड़े का वार बेअसर करेगी
8 गाजा में इस्राइली हमलों में 13 की मौत

सिरमौर जिले के हरिपुरधार में बस दुर्घटनाग्रस्त

12 लोगों की मौके पर ही मौत

नाहन (एजेंसी)। सिरमौर जिले के हरिपुरधार में निजी बस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को घटनास्थल से निकाला जा रहा है। वहीं बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। ये बस कुपवी से शिमला जा रही थी। जो हरिपुरधार के पास खाई में गिर गई। जानकारी के अनुसार बस में 30 से 35 लोग सवार थे। स्थानीय लोग हादसे में घायलों को बाहर सड़क तक लेकर आ रहे हैं। घटना के बाद मौके पर चीखों पुकार मची है। हादसा इतना भयानक था कि बस के परखच्चे उड़ गए हैं। एसपी सिरमौर, निश्चिंत सिंह नेगी ने कहा कि सिरमौर जिले में हरिपुरधार के पास कुपवी से शिमला जा रही एक प्राइवेट बस के सड़क से नीचे गिरने से हुए हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। बस में 30-35 लोग सवार थे। और जानकारी का इंतजार है। मैं मौके पर जा रहा हूं। पुलिस और दूसरी बचाव टीमें घायलों को निकालने की कोशिश कर रही हैं। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने जताया शोक सिरमौर जिले के हरिपुरधार में शुक्रवार दोपहर बाद एक निजी बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 12 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई घायल हो गए। घटना के बाद राहत बचाव कार्य जारी है। गंभीर रूप से घायल पांच मरीजों को उपचार के लिए हायर संगड़ाह, ददाहू और नाहन लाया जा रहा है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। उधर, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान दुर्घटना पर सरकार की ओर से शोक जताया है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज नाहन में गंभीर रूप से लाए जा रहे मरीजों के उपचार के लेकर उचित व्यवस्था के निर्देश दिए। कुछ लोग राजगढ़, व ददाहू में रेफर किए गए हैं। मेडिकल कालेज में तैयारियां उपचार के लिए पूरी कर दी हैं। बस हादसे पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार ने जताया दुख कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि हरिपुरधार में बस दुर्घटना की अत्यंत दुखद खबर प्राप्त हुई है। इस हृदयविदारक घटना ने मुझे भीतर तक झकझोर दिया है। इस दुख की घड़ी में उन्होंने अपने आगामी सभी कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है। वह इस समय पालमपुर से हरिपुरधार के लिए रवाना हो रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि कठिन समय में हम सभी का कर्तव्य है कि एकजुट होकर मानवता के नाते अपना दायित्व निभाएं। मुख्यमंत्री सुक्खू ने बस दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि पर गहरा शोक किया व्यक्त मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गुरुवार को सिरमौर जिले के हरिपुरधार के पास एक निजी बस दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि पर गहरा शोक व्यक्त किया। दुर्भाग्यपूर्ण बस शिमला से राजगढ़ होते हुए कुपवी जा रही थी, तभी वह सड़क से उतरकर एक गहरी खाई में गिर गई। मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

अंकिता के माता-पिता की बातों पर सरकार जल्द लेगी निर्णय

सीएम ने कहा-कानूनी पहलुओं पर विचार

देहरादून (एजेंसी)। अंकिता भंडारी मामले में धामी सरकार जल्द फैसला ले सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहन व बेटी की हत्या का मामला संवेदनशील है। माता-पिता को सबसे ज्यादा कष्ट हुआ है कि उनकी बेटी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अंकिता भंडारी के माता-पिता ने मुलाकात के दौरान कुछ बातें उनके समक्ष रखी हैं जिस पर सरकार जल्द ही निर्णय लेगी। सरकार के स्तर पर लिए जाने वाले निर्णय के लिए कानूनी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। जिला देहरादून के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के बाद बृहस्पतिवार को मीडिया से रूबरू होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहन व बेटी की हत्या का मामला संवेदनशील है। माता-पिता को सबसे ज्यादा कष्ट हुआ है कि उनकी बेटी गई है। पहले से ही मेरा मानना था कि अंकिता के माता-पिता जिस भी जांच के लिए कहें, सरकार उसके लिए तैयार है। राजनीति करने वालों को प्रदेश की जनता से माफी मांगे मुलाकात के दौरान माता-पिता ने कुछ बातें बताई हैं। उनकी बातों पर सरकार जल्द ही निर्णय लेगी। सीएम ने कहा कि अंकिता की मौत पर राजनीति करने वालों को प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए जिन्होंने एक ऑडियो के वायरल होने पर अपनी जिम्मेदारी का भाव नहीं दिखाया। राजनीतिक लाभ के लिए प्रदेश में अस्थिरता का माहौल पैदा करने के साथ ही लोगों को भड़काने का प्रयास किया। ऐसा करने वाले लोगों को जनता देख रही है। एक और ऑडियो वायरल हुआ है। उसके बारे में विपक्ष को कहना चाहिए और प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। सीएम ने कहा, कानूनी कार्रवाई चलती रहेगी। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला आया है। इसके बाद के घटनाक्रम पर प्रदेश में एसआईटी भी मामले की जांच कर रही है। अंकिता के माता-पिता ने जो बातें कहीं, उन पर निर्णय लेने के लिए कानूनी राय ली जा रही है। जल्द ही सरकार इस पर निर्णय लेगी।

एक फरवरी को पेश किया जाएगा देश का बजट, कैबिनेट कमेटी ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होने की संभावना है और केंद्रीय बजट एक फरवरी, रविवार को पेश किया जाएगा। संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा तय किये गये संभावित कार्यक्रम का हवाला देते हुए अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। वर्ष के प्रथम सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति का पारंपरिक अभिभाषण होता है। बीटिंग रिट्रीट समारोह के कारण 29 जनवरी को दोनों सदनों की बैठक नहीं होगी। संसद की बैठक 30 जनवरी को होगी, जिस दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश किए जाने की संभावना है। इसके बाद, 31 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा की बैठक नहीं होगी। केंद्रीय बजट एक फरवरी, रविवार को पेश किया जाएगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण और केंद्रीय बजट पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के बाद, संसद की बैठक 13 फरवरी को लगभग एक महीने के अवकाश के लिए स्थगित हो जाएगी। संसद की बैठक 9 मार्च को पुनः शुरू होगी और सत्र 2 अप्रैल, बृहस्पतिवार को समाप्त होगा।

केवल सुप्रीम कोर्ट ही ईडी पर लगा सकता है लगाम, आई-पैक पर छापेमारी को लेकर बोले सिब्बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तलाश अभियान चलाने के एक दिन बाद, राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को कहा कि संघवाद केंद्रीय एजेंसी की दया पर निर्भर है और केवल उच्चतम न्यायालय ही जांच एजेंसी पर लगाम लगा सकता है। पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई को लेकर मचे हंगामे के बाद सिब्बल की यह टिप्पणी आई है। राज्य में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने छापेमारी के दौरान उन स्थलों पर पहुंचकर आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी राज्य में होने वाले महत्वपूर्ण चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के संवेदनशील डाटा को जब्त करने की कोशिश कर रही थी। ईडी ने दावा किया कि यह कार्रवाई कथित तौर पर करोड़ों रुपये के कोयला चोरी घोटाले में धनशोधन की जांच का हिस्सा थीं।

अमित शाह के दफ्तर के बाहर टीएमसी सांसदों का धरना, पुलिस ने हिरासत में लिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल मेंईडी की छापेमारी का असर अब दिल्ली की सियासत में भी दिखने लगा है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के आठ सांसद शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए। सांसदों का कहना है कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित है और इसका मकसद पार्टी के चुनावी अभियान को कमजोर करना है।धरने में डेरेक ओब्रायन, शताब्दी रॉय, महुआ मोइत्रा, बापी हलदर, साकेत गोखले, प्रतिमा मंडल, कीर्ति आजाद और डॉ. शर्मिला सरकार मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी भी हुई। बाद में दिल्ली पुलिस ने सभी सांसदों को हिरासत में ले लिया। गुरुवार को ईडी ने कोलकाता में कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इनमें आई-पीएसी कंपनी का दफ्तर भी शामिल था, जो टीएमसी के चुनावी मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभालती है। छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौके पर पहुंचीं और इसके बाद मामला और गरमा गया। बंगाल मेंईडी के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। टीएमसी ने कोर्ट में याचिका दायर कर ईडी की कार्रवाई को गैर-कानूनी घोषित करने और पार्टी के दस्तावेज वापस करने की मांग की है। वहीं, ईडी का दावा है कि छापेमारी बंगाल कोयला खनन घोटाले से जुड़ी है और ममता बनर्जी ने जांच में बाधा डाली। ममता बनर्जी का ऐलान ईडी की कार्रवाई के खिलाफ ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विरोध मार्च निकालने का ऐलान किया था। उन्होंने इसे चुनाव से पहले टीएमसी को डराने की कोशिश बताया। विपक्षी दलों का आरोप बंगाल कांग्रेस ने भी ईडी की छापेमारी का विरोध किया है।

हम खुद बना रहे अपने हथियार, इसमें यूपी का अहम योगदान: राजनाथ

भारत अब कमजोर नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत अब कमजोर नहीं है, हम अपने हथियार खुद बना रहे हैं और उत्तर प्रदेश इसमें नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि यही सोच और मेहनत देश को मजबूत बनाती है और इसी रास्ते पर आज हमारी सरकार चल रही है। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह देखकर अच्छा लगता है कि जो उत्तर प्रदेश किसी जमाने में बीमारू राज्य कहा जाता था तथा जिसकी पहचान को गुंडाराज और अपराध से जोड़कर देखा जाता था, आज उसी राज्य में आए दिन उद्योग स्थापित हो रहे हैं। राजनाथ सिंह आज राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर इलाके में अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के साथ हिंदुजा परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। रक्षा मंत्री ने कहा, विश्व स्तरीय ग्रीन फील्ड एकीकृत वाणिज्यिक वाहन विनिर्माण इकाई की शुरूआत उत्तर प्रदेश की औद्योगिक यात्रा में एक मील का पत्थर है। मैं इस उपलब्धि के लिए अशोक लेलैंड, हिंदुजा समूह और उत्तर प्रदेश की जनता को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ रहा और उसकी पहचान एक ऐसे राज्य के रूप में हो रही है, जो देश के विकास में बढ़-चढ़कर योगदान दे रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह देखकर अच्छा लगता है कि जो उत्तर प्रदेश किसी जमाने में बीमारू राज्य कहा जाता था तथा जिसकी पहचान को गुंडाराज और अपराध से जोड़कर देखा जाता था, आज उसी राज्य में आए दिन उद्योग स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, लखनऊ में तो ब्रह्मोस एयरोस्पेस की फैक्टरी भी स्थापित की गयी है, जहां ब्रह्मोस मिसाइल बनायी जा रही है। अब यह मिसाइल बाहर से बनकर नहीं आती, हमारे अपने देश में, हमारे अपने उत्तर प्रदेश में बनती है। सरकार ने यहां रक्षा गलियारा बनाया है। इसका मतलब सेनाओं के लिए हथियार, गोला-बारूद और लड़ाकू जहाजों से जुड़ा सामान अब हमारे ही प्रदेश में बनेगा।रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने उत्तर प्रदेश में विकास के इस काम को और तेजी से आगे बढ़ाने के लिए एक नयी नीति बनाई है।

ईडी और सीआरपीएफ पर भड़की ममता

आई पैक पर छापेमारी को लेकर दर्ज कराई एफआइआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक निजी कंपनी आई पैक के साल्टलेक स्थित कार्यालय और इसके संस्थापक प्रतीक जैन के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जिसके बाद दो थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। ये दोनों शिकायतें गुरुवार रात दर्ज की गईं। बनर्जी ने साल्ट लेक के इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प्लेक्स थाने और दक्षिण कोलकाता के शेक्सपियर सरानी थाने में ईडी और सीआरपीएफ के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई हैं। इन शिकायतों के आधार पर पुलिस ने आपराधिक अतिक्रमण, संपत्ति की चोरी या अनधिकृत जब्ती और डराने-धमकाने के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि आई पैक एक राजनीतिक सलाहकार फर्म है जो तृणमूल कांग्रेस और पश्चिम बंगाल सरकार को सलाह देती है। ईडी की टीमों ने कोयला तस्करी के एक पुराने मामले के सिलसिले में गुरुवार सुबह प्रतीक जैन के लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास और साल्ट लेक के सेक्टर पांच स्थित फर्म के कार्यालय में गुरूवार को तलाशी ली थी। इस घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री पहले लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास पर पहुंचीं और बाद में साल्ट लेक स्थित आई पैक कार्यालय भी गईं। तलाशी अभियान के बीच उन्होंने परिसर में प्रवेश किया और वहां से फाइलें, दस्तावेज और लैपटॉप बाहर ले आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी उनकी पार्टी की राजनीतिक और चुनावी रणनीति की योजनाओं का खाका अपने साथ ले गई। पुलिस ने इससे पहले गुरुवार को लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास और आई पैक कार्यालय में ईडी की छापेमारी को लेकर स्वतरू संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था।

आतंकवाद के खिलाफ डिजिटल कवच! अमित शाह ने लॉन्च किया एनआईडीएमएस प्लेटफॉर्म

गुरुग्राम (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को एक राष्ट्रीय डिजिटल आईईडी डेटा प्रबंधन मंच की शुरूआत की, जो आतंकवाद के खिलाफ अगली पीढ़ी के सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करेगा और देश में होने वाले सभी प्रकार के बम विस्फोटों के खिलाफ एक व्यापक प्रतिरोधक होगा। राष्ट्रीय आईईडी डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआईडीएमएस) को संघीय आतंकवाद-रोधी कमांडो बल राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-दिल्ली, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की मदद से विकसित किया गया है। यह सभी प्रकार के बम विस्फोटों का सटीक अध्ययन करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग उपकरणों से लैस है। देश में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोटों को आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र में सबसे चुनौतीपूर्ण खतरों में से एक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन वर्षों में आईईडी विस्फोट में हजारों नागरिक और सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

जमीन के बदले नौकरी घोटाला, अदालत ने लालू यादव और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख एवं पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के खिलाफ कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में आरोप तय करने का शुक्रवार को आदेश दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि यादव ने रेल मंत्रालय को अपनी निजी जागीर के रूप में इस्तेमाल किया ताकि वह एक आपराधिक गतिविधि को अंजाम दे सकें, जिसमें सरकारी नौकरी को सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करके यादव परिवार ने रेलवे अधिकारियों और अपने करीबी सहयोगियों की मिलीभगत से जमीन हासिल की। अदालत ने इस मामले में 41 लोगों के खिलाफ आरोप तय किये और रेलवे अधिकारियों समेत 52 लोगों को बरी कर दिया। इससे पहले, सीबीआई ने मामले में आरोपी व्यक्तियों की स्थिति के बारे में एक सत्यापन रिपोर्ट पेश की थी।

एक फरवरी को पेश किया जाएगा देश का बजट, कैबिनेट कमेटी ने दिया बड़ा अपडेट

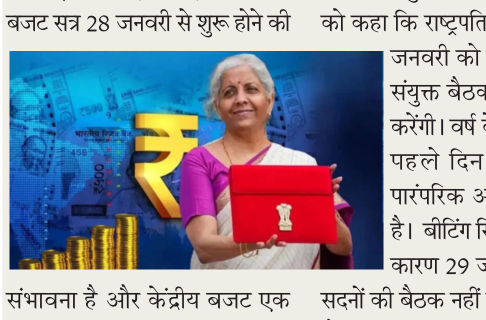

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होने की संभावना है और केंद्रीय बजट एक फरवरी, रविवार को पेश किया जाएगा। संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा तय किये गये संभावित कार्यक्रम का हवाला देते हुए अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। वर्ष के प्रथम सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति का पारंपरिक अभिभाषण होता है। बीटिंग रिट्रीट समारोह के कारण 29 जनवरी को दोनों सदनों की बैठक नहीं होगी। संसद की बैठक 30 जनवरी को होगी, जिस दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश किए जाने की संभावना है। इसके बाद, 31 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा की बैठक नहीं होगी। केंद्रीय बजट एक फरवरी, रविवार को पेश किया जाएगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण और केंद्रीय बजट पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के बाद, संसद की बैठक 13 फरवरी को लगभग एक महीने के अवकाश के लिए स्थगित हो जाएगी। संसद की बैठक 9 मार्च को पुनः शुरू होगी और सत्र 2 अप्रैल, बृहस्पतिवार को समाप्त होगा। अधिकारियों ने बताया कि आम तौर पर संसद का सत्र शुक्रवार को स्थगित होता है।

अंकिता भंडारी मामले में भाजपा पर भड़के राहुल गांधी

भ्रष्टाचार, अहंकार का जहर भाजपा की राजनीति में सर्वत्र फैल चुका है:राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि इस पार्टी की राजनीति में भ्रष्टाचार और अहंकार का जहर ऊपर से नीचे तक फैल चुका है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर डाले गये एक पोस्ट में कहा कि देश भर में भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। उन्होंने दावा किया कि सत्ता का दुरुपयोग भाजपा की राजनीति का मूल मंत्र बन चुका है। भाजपा के काम करने के तरीके में गरीब, असहाय, मजदूर और मध्यम वर्ग की जिंदगी सिर्फ एक आंकड़ा बनकर रह गयी है और विकास के नाम पर केवल वसूली तंत्र चल रहा है। उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में कई राज्यों में हुयी घटनाओं की मिसालें भी दीं। उत्तराखंड के अंकिता भंडारी मामले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था, लेकिन आज भी सवाल वही है कि सत्ता का संरक्षण किस अति महत्वपूर्ण व्यक्ति को बचा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि कानून सबके लिए बराबर कब होगा। उत्तर प्रदेश के उन्नाव कांड एवं पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर मामले पर उन्होंने कहा कि पूरा देश देख चुका है कि कैसे सत्ता के गुरूर में अपराधियों को बचाया गया और पीड़िता को न्याय के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ी। राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों और गुजरात, हरियाणा तथा दिल्ली में प्रदूषित जलापूर्ति की शिकायतों का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि हर तरफ बीमारियों का डर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का डबल इंजन सिर्फ अरबपतियों के लिए चल रहा है। आम भारतीयों के लिए यह श्भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार, विकास नहीं बल्कि तबाही की रफ्तारश है, जो हर दिन किसी न किसी की जिंदगी कुचल रही है।

यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर के सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सी एंड डब्ल्यू) श्री दिलीप कुमार गौतम

गोरखपुर,: माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव ने 09 जनवरी, 2026 को इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्वोत्तर रेलवे के 03 कर्मचारियों सहित भारतीय रेल के कुल 100 समर्पित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय रेल में असाधारण योगदान के लिये प्रतिष्ठित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 प्रदान कर सम्मानित किया। अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित पूर्वोत्तर रेलवे के यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सी एंड डब्ल्यू) के पद पर कार्यरत श्री दिलीप कुमार गौतम ने अपनी देखरेख में

ई.पी.पी.एफ.एस. सिस्टम कंट्रोल पैनलों एवं पानी के सिलेंडरों के परीक्षण हेतु एक टेस्ट बेंच बनवाया। आपने न्यूनतम लागत पर खराब पानी के 1,200 से

अधिक सिलेंडरों को कार्यशील बनाकर तथा 250 से अधिक खराब कंट्रोल पैनल की मरम्मत कराकर कुल लगभग रू. 4.39 करोड़ के रेल राजस्व की बचत की। श्री गौतम के प्रयासों ने कारखाने की विफलताओं को शून्य करने में सराहनीय योगदान दिया। मुख्य यातायात निरीक्षक, मथुरा छावनी श्री भगवान सहाय मीना ने 14

नवम्बर, 2023 को ट्रेन संख्या 05348 से स्टेशन निरीक्षण हेतु जाते समय ब्लॉक खंड राया-सोनाई के मध्य असामान्य गंध महसूस की। श्री मीना ने सोनाई यार्ड में जाँच के दौरान चक्के में लगी आग देखकर तत्काल स्टेशन स्टाफ को सूचित कर अग्निशामक यंत्र की व्यवस्था की तथा स्टेशन अधीक्षक, ट्रेन मैनेजर एवं लोको पायलट के सहयोग से आग बुझाकर चक्का रिलीज कराया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना को टाला जा सका। सीवान कचहरी में ट्रैक मैंटेनर के पद पर कार्यरत श्री राजन कुमार यादव ने 29 दिसम्बर, 2024 को गश्त के दौरान कीमैन के रूप में कार्य करते हुये सतर्कता एवं सूझबूझ का प्रदर्शन किया। आपने किमी. संख्या 8/14-15 में ए.टी. वेल्ड में क्रैक देखकर तत्काल पटरी की सुरक्षा सुनिश्चित कर वरिष्ठ अधिकारियों को तुरन्त सूचित किया, जिससे समय पर कार्यवाही से सुरक्षित ट्रेन संचालन सम्भव हो सका। श्री यादव की सतर्कता एवं सूझबूझ ने पटरी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक को रोका तथा निर्बाध एवं सुरक्षित ट्रेन आवाजाही सुनिश्चित की।

गर्डर लांचिंग के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक लिये जाने के कारण गाड़ियों का नियंत्रण निम्नवत रहेगा

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु वाराणसी मंडल के रजवारी-कादीपुर स्टेशनों के मध्य समपार संख्या-09 पर सीमित ऊँचाई के सब-वे निर्माण हेतु गर्डर लांचिंग के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक लिये जाने के कारण गाड़ियों का नियंत्रण निम्नवत रहेगा।

नियंत्रण-

-55131 बलिया-प्रयागराज रामबाग सवारी गाड़ी 10 एवं 16 जनवरी, 2026 को मार्ग में 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-65109 आजमगढ़-वाराणसी सिटी मेमू गाड़ी 10 एवं 16 जनवरी, 2026 को मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-22428 आनन्द विहार टर्मिनल-बलिया एक्सप्रेस 11 जनवरी, 2026 को मार्ग में 15 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-15159 छपरा-दुर्ग एक्सप्रेस 11 जनवरी, 2026 को मार्ग में 10 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

पुनर्निर्धारण-

-65106 वाराणसी सिटी-गाजीपुर सिटी मेमू गाड़ी 11 जनवरी, 2026 को वाराणसी सिटी से 60 मिनट तथा 17 जनवरी, 2026 को वाराणसी सिटी से 160 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

-05101 झूसी रिंग रेल विशेष गाड़ी 17 जनवरी, 2026 को झूसी से 60 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 08 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के वातानुकूलित प्रतीक्षालय के पास से 16 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 08 जनवरी, 2026 को गाड़ी सं0 15231 के टीटीई द्वारा 14 वर्ष के एक लड़के व 13 वर्ष की एक लड़की को लावारिस हालत में पाकर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को सौंपा गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त दोनों बच्चों को चाइल्ड लाइन, छपरा को सुपुर्द किया गया। 07 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के वातानुकूलित प्रतीक्षालय के पास से घर से नाराज होकर आयी 17 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 07 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी खलीलाबाद को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15204 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे खलीलाबाद चौकी पर जमा किया गया। 08 जनवरी, 2026 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 08 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लालकुआँ को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 14120 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे लालकुआँ पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 06 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लालकुआँ को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 12040 में यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे लालकुआँ पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया।

शहर में होगी भ्रष्टाचार के मामलों की सुनवाई अञ्ख दीपाली सिंह बनीं विशेष न्यायाधीश

कानपुर। कानपुर मंडल के भ्रष्टाचार से संबंधित मुकदमों की सुनवाई अब लखनऊ के बजाय कानपुर नगर में होगी। हाईकोर्ट ने एडीजे दीपाली सिंह को विशेष न्यायाधीश नियुक्त कर मंडल के 6छह जिलों की फाइलों को कानपुर ट्रांसफर करने के निर्देश दिए हैं। कानपुर में भ्रष्टाचारियों पर अंकुश लगाने के लिए बनाए गए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से संबंधित कानपुर मंडल में दर्ज मुकदमों की सुनवाई अब कानपुर नगर में ही होगी। इस संबंध में सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के आधार पर हाईकोर्ट ने विशेष न्यायाधीश की नियुक्ति कर दी है। अपर जिला जज 14 दीपाली सिंह को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विशेष न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। भ्रष्टाचार से संबंधित प्रदेश भर में दर्ज मुकदमों की सुनवाई के लिए लखनऊ में विशेष न्यायालय का गठन किया गया था, लेकिन प्रदेश भर में दर्ज होने वाले मुकदमों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी जिससे मुकदमों की सुनवाई प्रभावित हो रही थी। मुकदमों में कई महीनों की तारीख लग जाती थी, जिससे जल्द न्याय की मंशा पूरी नहीं हो पा रही थी। इस समस्या को देखते हुए मंडल स्तर पर विशेष न्यायालय का गठन कर मुकदमों की सुनवाई करने की बात तय हुई थी। जल्द ही मुकदमों की सुनवाई शुरू हो जाएगी इसी आधार पर हाईकोर्ट ने मंडल स्तर पर भ्रष्टाचार से संबंधित मुकदमों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायाधीशों की नियुक्ति कर दी है। कानपुर में दीपाली सिंह को विशेष न्यायाधीश नियुक्त किया गया है जो कानपुर नगर के अलावा कानपुर देहात, इटावा, औरैया, कन्नौज और फरुर्खाबाद में इस अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमों की सुनवाई करेंगी।

भारतीय रेलवे ने 2026 की समय सारणी में 549 ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाई जिससे यात्रा समय में कमी आई और कार्यकुशलता बढ़ी

गोरखपुर: भारतीय रेलवे ने ट्रेन समय सारणी 2026 के अंतर्गत अनेक नई ट्रेनें शुरू करने के अलावा मौजूदा सेवाओं का विस्तार किया और ट्रेनों के फेरे बढ़ाए। इसके साथ ही कई ट्रेनों को सुपरफास्ट में तब्दील किया और विभिन्न रेलवे जोन में सेवाओं की गति बढ़ाई गई। मध्य रेलवे जोन में 4 नई ट्रेनें चलाई गईं, 6 का विस्तार किया गया और 30 ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाई गई। इसी तरह पूर्व तटीय रेलवे में 4 नई ट्रेनें चलाई गईं, 4 का विस्तार किया गया और 3 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई। पूर्व मध्य रेलवे में उल्लेखनीय विस्तार करते हुए 20 नई ट्रेनें चलाई गईं, 20 का विस्तार किया गया और 12 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई। पूर्व रेलवे में भी 6 नई ट्रेनें चलाई गईं, 4 का विस्तार किया गया और 32 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई। उत्तर मध्य रेलवे ने 2 नई ट्रेनों शुरू कीं, 4 का विस्तार किया, 2 के फेरे बढ़ाए और 1 ट्रेन की गति बढ़ाई। उत्तर पूर्व रेलवे ने 8 नई ट्रेनें जोड़ीं, 4 का विस्तार किया, 2 के फेरे बढ़ाए और 12 ट्रेनों की गति में इजाफा किया। उत्तर पूर्व सीमांत रेलवे ने 10 नई ट्रेनें शुरू कीं और 36 ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाई। इसी तरह, उत्तर रेलवे ने 20 नई ट्रेनें शुरू कीं, 10 का विस्तार किया और 24 ट्रेनों की गति बढ़ाई। उत्तर पश्चिम रेलवे ने अपनी सेवा में 12 नई ट्रेनें जोड़ीं, 6 का विस्तार किया, 2 के फेरे बढ़ाए और 89 ट्रेनों की गति में वृद्धि की। दक्षिण रेलवे ने 6 नई ट्रेनें शुरू कीं, 4 का विस्तार किया, 2 को सुपरफास्ट में परिवर्तित किया और 75 ट्रेनों की गति बढ़ाई। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 8 नई ट्रेनें शुरू कीं, 6 का विस्तार किया, 8 को सुपरफास्ट में तब्दील किया और 117 ट्रेनों की गति बढ़ाई जो सभी जोनों में सबसे ज्यादा है। पश्चिम मध्य रेलवे ने 8 नई ट्रेनें शुरू कीं और 27 ट्रेनों की गति बढ़ाई। वहीं, पश्चिम रेलवे ने 10 नई ट्रेनें शुरू कीं, 10 ट्रेनों का विस्तार किया, 2 ट्रेनों के फेरे बढ़ाए और 80 ट्रेनों की गति में सुधार किया। कुल मिलाकर, ट्रेनों की समय सारिणी 2026 के तहत, 122 नई ट्रेनें शुरू की गईं, 86 ट्रेनों का विस्तार किया गया, 8 ट्रेनों के फेरे बढ़ाये गए, 10 ट्रेनों को सुपरफास्ट ट्रेनों में बदला गया और 549 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई।

नई ट्रेनों की शुरूआत का विवरण

ट्रेन समय सारणी 2026 के तहत प्रीमियम, एक्सप्रेस और पैसेंजर सभी तरह की सेवाओं मेंमें॰ मिलाजुला कर 122 नई ट्रेनों को शामिल किया गया। इनमें से 26 ह्यअमृत भारतह्ल ट्रेनें शुरू की गईं, जिनमें 4 ट्रेनें टीएजी-टीओडी के माध्यम से शुरू की गई हैं। सबसे अधिक हिस्सेदारी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की है जिनकी 60 सेवाएँ शुरू की गईं, जिनमें से 8 सेवाएँ टीएजी-टीओडी के माध्यम से शुरू हुईं। इसके अतिरिक्त 2 हमसफर ट्रेनें, 2 जन शताब्दी ट्रेनें, 2 नमो भारत रैपिड रेल सेवाएँ और 2 राजधानी ट्रेनें शुरू की गईं। इसके अतिरिक्त, सेमी-हाई-स्पीड कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए 28 वंदे भारत ट्रेनें जोड़ी गईं। कुल मिलाकर, इन श्रेणियों में इस अवधि के दौरान शुरू की गई कुल 122 नई ट्रेनें शामिल हैं। ट्रेनों की गति बढ़ाई गई समय की पाबंदी में सुधार और यात्रा के समय को कम करने के लिए ट्रेनों की समय सारिणी 2026 के तहत कुल 549 ट्रेनों की गति बढ़ा दी गई है। इनमें से 376 ट्रेनों की गति 5 से 15 मिनट तक, 105 ट्रेनों की गति 16 से 30 मिनट तक, 48 ट्रेनों की गति 31 से 59 मिनट तक और 20 ट्रेनों की गति 60 मिनट या उससे अधिक बढ़ा दी गई। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने इसमें प्रमुख योगदान दिया, जिन ट्रेनों की गति बढ़ाई गई उनमें 66 ट्रेनों की गति 5-15 मिनट, 29 ट्रेनों की गति 16-30 मिनट, 12 ट्रेनों की गति 31-59 मिनट और 10 की 60 मिनट या उससे अधिक की गति वाली 10 ट्रेनें शामिल हैं। मध्य रेलवे ने 13 ट्रेनों की गति में 5झ15 मिनट, 13 ट्रेनों में 16झ30 मिनट और 4 ट्रेनों में 31झ59 मिनट का सुधार किया। पूर्व तटीय रेलवे ने 2 ट्रेनों की गति 5झ15 मिनट और 1 ट्रेन की गति 16झ30 मिनट बढ़ाई। पूर्व मध्य रेलवे ने 7 ट्रेनों की गति 5झ15 मिनट, 2 ट्रेनों की 16झ30 मिनट, 2 ट्रेनों की 31झ59 मिनट और 1 ट्रेन की गति में 60 मिनट या उससे अधिक का सुधार किया। पूर्व रेलवे ने भी 29 ट्रेनों की गति में 5झ15 मिनट और 3 ट्रेनों में 16झ30 मिनट की वृद्धि की। उत्तर मध्य रेलवे ने 1 ट्रेन की गति में 5झ15 मिनट का सुधार किया। पूर्वोत्तर रेलवे ने 9 ट्रेनों की गति 5झ15 मिनट और 3 ट्रेनों की गति 16झ30 मिनट बढ़ाई। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 20 ट्रेनों की गति में 5झ15 मिनट, 10 ट्रेनों में 16झ30 मिनट, 3 ट्रेनों में 31झ59 मिनट और 3 ट्रेनों में 60 मिनट या उससे अधिक का सुधार किया। उत्तर रेलवे ने 22 ट्रेनों की गति 5झ15 मिनट और 2 ट्रेनों की गति 16झ30 मिनट बढ़ाई। उत्तर पश्चिम रेलवे ने 67 ट्रेनों की गति को 5झ 15 मिनट, 14 ट्रेनों में 16झ30 मिनट, 7 ट्रेनों में 31झ59 मिनट और 1 ट्रेन की गति को 60 मिनट से अधिक बढ़ाया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 9 ट्रेनों की गति 5झ15 मिनट और 2 ट्रेनों की गति 16झ30 मिनट बढ़ाई। दक्षिण रेलवे ने 53 ट्रेनों की गति में 5झ15 मिनट, 10 ट्रेनों में 16झ30 मिनट, 9 ट्रेनों में 31झ59 मिनट और 3 ट्रेनों में 60 मिनट से अधिक का सुधार किया। पश्चिम मध्य रेलवे ने 25 ट्रेनों की गति 5झ15 मिनट, 1 ट्रेन की गति 16झ30 मिनट और 1 ट्रेन की गति 31झ59 मिनट बढ़ाई। पश्चिम रेलवे ने 53 ट्रेनों की गति को 5झ15 मिनट, 15 ट्रेनों में 16झ30 मिनट, 10 ट्रेनों में 31झ59 मिनट और 2 ट्रेनों की गति को 60 मिनट या उससे अधिक बढ़ाया। कुल मिलाकर, ट्रेनों की समय सारणी 2026, यात्रा के समय और यात्रियों की सुविधा को बेहतर बनाने के लिए इंडियन रेलवे के मजबूत इरादे को दिखाती है। सभी जोन में 549 ट्रेनों की गति बढ़ाने की इस पहल से समयपालन, परिचालन दक्षता और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा जिससे देश भर में तेज और अधिक विश्वसनीय रेल सेवाएँ सुनिश्चित होंगी।

औपनिवेशिक मानसिकता से रेलवे को पूरी तरह मुक्त करना प्राथमिकता: अश्विनी

नई दिल्ली: केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में 101 रेल अधिकारियों को 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार तथा विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 26 जोन को शील्ड प्रदान की। इस समारोह में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ श्री सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य तथा विभिन्न रेल मंडलों एवं उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक उपस्थित रहे । इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने भारतीय रेल के विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूर्ण होने पर डाक टिकट भी जारी किया। पुरस्कार और शील्ड प्रदान करने के बाद उपस्थित गणमान-?य ०?यक्तियों को संबोधित करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण कार्यों और प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने पिछले एक दशक में भारतीय रेल में हुई परिवर्तनकारी प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने रेलवे में संरक्षा, रिफॉर्म, नवाचार पर बल दिया, साथ ही रेलवे से औपनिवेशिक मानसिकता को पूरी तरह से खत्म करने पर जोर दिया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ श्री सतीश कुमार ने अपने स्वागत भाषण में भारत में रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय यात्रा के अनुभव के साथ-साथ किफायती रेल सेवाएं प्रदान करने की भारतीय रेल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। नई दिल्ली में यशोभूमि में सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष रेलवे बोर्ड ने कहा कि गति, आराम और सुरक्षा के सिद्धांतों में उत्कृष्टता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को शामिल कर रहे हैं। उन्होंने सभी पुरस्कृत अधिकारियों, कर्मचारियों की प्रशंसा की और बधाई दी। भारतीय रेल द्वारा हर साल अपने कर्मचारियों को अति विशिष्ट रेल पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार दो श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं, व्यक्तिगत पुरस्कार, साथ ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रेलवे जोन को शील्ड प्रदान की जाती है। व्यक्तिगत पुरस्कार भारतीय रेल को अधिक कुशल, सुरक्षित और यात्री-अनुकूल संगठन बनाने की दिशा में रेल कर्मियों के समर्पण, कड़ी मेहनत और असाधारण योगदान की सराहना करने और जश्न मनाने के मंच का कार्य करते हैं। विभिन्न श्रेणियों में शील्ड पुरस्कार भारतीय रेल के समग्र प्रदर्शन में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और योगदान की प्रशंसा करते हुए प्रदान किए जाते हैं।

अजमेर सियालदह एक्सप्रेस से बरामद हुए आठ नाबालिग बिहार और बंगाल से निकले थे

चंदौली। दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन पर अप अजमेर सियालदह एक्सप्रेस से आठ नाबालिग बरामद हुए। सभी की काउंसिलिंग कराने के बाद चाइल्ड लाइन को सुपुर्द किया गया। चंदौली जिले में आरपीएफ, बचपन बचाओ आंदोलन और चाइल्ड लाइन हेल्प डेस्क की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर अप अजमेर सियालदह एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच से आठ नाबालिग को बरामद किया। इसमें बिहार के छह नाबालिग काम करने के लिए जयपुर जा रहे थे। वहीं दो किशोर बंगाल स्थित घर से परिवार वालों से नाराज होकर निकल गए थे। सभी की काउंसिलिंग के बाद उन्हें घर पहुंचाने के लिए चाइल्ड लाइन को सुपुर्द किया गया। आरपीएफ पीडीडीयू पोस्ट के निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत ने बताया कि ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते और नाबालिगों को तस्करों से मुक्त कराने के लिए ऑपरेशन आहट चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार की सुबह स्टेशन पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके तहत अप और डाउन की ट्रेनों की जांच की गई। सुबह अप अजमेर सियालदह एक्सप्रेस रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या आठ पर पहुंची। इस दौरान आरपीएफ एसआई अर्चना मीणा, अश्वनी कुमार, एएसआई शाहिद खान, सतीश सिंह, आरक्षी अशोक यादव, बचपन बचाओ आंदोलन की सहायक परियोजना अधिकारी चंदा गुप्ता, चाइल्ड हेल्प डेस्क टीम की सीमा यादव आदि की टीम ने जनरल कोच में पहुंच कर जांच की। इस दौरान आठ नाबालिग दिखे। सभी को ट्रेन से उतार कर पोस्ट पर लाया गया और उनकी काउंसिलिंग की गई। सभी की उम्र 13 से 16 वर्ष के बीच रही। इसमें कैमूर बिहार के छह किशोरों ने बताया कि वे काम करने के लिए जयपुर जा रहे हैं। वहीं 24 साउथ परगना पश्चिम बंगाल के रहवासी दो किशोरों ने बताया कि वे घर वालों से नाराज होकर निकल गए और अजमेर काम करने जा रहे थे। सभी किशोरों के परिवार वालों को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद उनको घर पहुंचाने के लिए चाइल्ड लाइन को सुपुर्द किया गया।

संक्षिप्त खबरें

बफीर्ली हवा और गलन से कपड़ा बाजार में लौटी रौनक

बस्ती। पिछले कुछ दिनों से चल रही सर्द बफीर्ली हवा व गलन ने एक बार फिर कपड़ा बाजार में जान डाल दी है। तापमान में आई गिरावट के साथ ही लोगों ने गर्म कपड़ों की खरीदारी में तेजी दिखाई है। जिससे बाजारों में रौनक लौट आई है। मुख्य कपड़ा बाजारों, शोरूम और फुटपाथ दुकानों पर ग्राहकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इन दिनों ऊनी स्वेटर, जैकेट, कोट, मफलर, शॉल, कैप और थर्मल इनर वियर की मांग बढ़ी है। गांधीनगर के दुकानदार अमन गुप्ता का कहना है कि जनवरी की शुरूआत में ठंडी हवा ने खरीदारी की रफ्तार तेज कर दी है। इस बार बच्चों और बुजुर्गों के लिए गर्म कपड़ों की मांग ज्यादा देखने को मिल रही है। बच्चों को ठंड से बचाने के लिए मोटे स्वेटर, जैकेट और ऊनी कैप खरीद रहे हैं। वहीं बुजुर्गों के लिए शॉल और गर्म जैकेट की बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। महिलाओं में डिजाइनर शॉल, कार्डिगन और ऊनी सूट खासे पसंद किए जा रहे हैं। बाजार में दामों की बात करें तो गर्म कपड़े हर वर्ग के बजट में उपलब्ध हैं। कपड़ा कारोबारी राहुल और काजू श्रीवास्तव का कहना है कि ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए अलग-अलग रेंज में स्टॉक मंगाया गया है ताकि हर वर्ग की जरूरत पूरी हो सके। दिन और शाम के समय बाजारों में लोग परिवार के साथ खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं, जिससे दुकानों पर चहल-पहल बनी रहती है। यदि ठंड का असर इसी तरह बना रहा तो आने वाले दिनों में गर्म कपड़ों की बिक्री और बढ़ेगी, जिससे पूरे सीजन का कारोबार बेहतर रहने की संभावना है।

दिनदहाड़े बकरा चोरी कर ले भागा बाइक चालक

छावनी। क्षेत्र के पैकोलिया गांव में बाइक चालक युवक बृहस्पतिवार को दिनदहाड़े बकरा लादकर भाग गया। पीड़ित महिला ने छावनी पुलिस से शिकायत की है। थाना क्षेत्र के पैकोलिया गांव निवासी संजू पत्नी रमेश ने छावनी पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि उनकी लड़की मंजू गांव के तालाब के किनारे बकरी चरा रही थी। बाइक सवार अज्ञात युवक उनका बकरा लादकर बभनगावां गांव की तरफ भाग लिया। थानाध्यक्ष चंदन ने बताया कि मामले में छानबीन की जा रही है।

मंडलीय प्रयोगशाला में हुई 16 हजार जांच, पीने लायक मिला बस्ती का पानी

बस्ती। पेयजल की गुणवत्ता को लेकर अब बस्तीवासियों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। जिले की मंडलीय जल जांच प्रयोगशाला को राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त हो गई है। इससे अब भारतीय मानकों के अनुरूप पानी की जांच स्थानीय स्तर पर ही प्रमाणिक रूप से हो रही और इसकी रिपोर्ट राष्ट्रीय स्तर पर मान्य है। इसी लैब से जनपद के 16500 सैंपल की जांच हुई, जिसमें पानी ठीक पाया गया है। बस्ती के पानी को पीने लायक बताया गया है। पहले जिले में पानी की गुणवत्तापरक जांच के लिए सैंपल लखनऊ या किसी अन्य शहर में भेजना पड़ता था, जिससे प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली हो जाती थी। कई बार लोग बिना जांच के ही पानी के उपयोग को विवश हो जाते थे। लेकिन अब एनएबीएल प्रमाणित प्रयोगशाला के जरिए यह जांच बस्ती में ही हो हो रही है, जिससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है। बताया गया कि प्रयोगशाला के इंचार्ज एक्सईएन जलनिगम ग्रामीण योगेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रयोगशाला को कुल 14 मानकों पर जल परीक्षण की मान्यता प्राप्त हुई है। इसके तहत नल-जल योजना, हैंडपंप, आरओ और घरेलू जल स्त्रोतों की शुद्धता की सटीक जांच संभव है। लैब इंचार्ज प्रतिमा का कहना है कि रोजाना औसतन पानी के 40 सैंपल जांच के लिए प्राप्त होते हैं। इसमें जीवाणु और रसायनिक जांच की सुविधा है। टीडीएस, पीएच समेत अन्य जांचें हो रही हैं। 24 घंटे में जांच रिपोर्ट प्राप्त हो जाती है, जिसके बाद संबंधित को रिपोर्ट सौंप दी जाती है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा में कोई धनराशि मांगे तो दें सूचना

बस्ती। होमगार्ड स्वयं सेवक के पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नत बोर्ड की ओर से पूर्णतया निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ पूरी कराई जा रही है। इसमें किसी प्रकार की धन उगाही एवं सुविधा शुल्क नहीं लिया जा रहा है। जिला कमांडेंट होमगार्डस अंतिम कुमार सिंह ने बताया इस नियुक्ति प्रक्रिया में विभाग का कोई भी अधिकारी/कर्मचारी सम्मिलित नहीं हैं। ऐसी परिस्थिति में आवेदनकर्ता विभाग के किसी भी कर्मचारी या व्यक्ति के बहकावे में न आएं, भर्ती के नाम पर कोई धनराशि न दें। यदि नियुक्ति कराने के नाम पर धनराशि की मांग की जाती है तो इसकी सूचना तत्काल मोबाइल नंबर 9076955088 पर दें सकते हैं। लोकल पुलिस को भी यह सूचना दी जा सकती है। इसके बाद संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई होगी।

सरयू में उतराया मिला चार गोवंशों का शव

रुधौली। थाना क्षेत्र के विशनपुरवा में सरयू नहर खंड चार के अठदेवरा गांव के पास बृहस्पतिवार की शाम को चार गोवंशीय पशुओं का शव उतराया देखा गया। आनन-फानन में मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शवों को नहर से निकलवाया। डॉक्टरों की टीम बुलाकर नमूने लेने के बाद पशुओं को नहर के किनारे ही दफन करा दिया गया। वहीं नहर में गोवंशीय पशुओं का शव मिलने पर हिंदू संगठनों ने नाराजगी जताई है। पुलिस का कहना है कि यह बड़ी नहर है, जो काफी दूर से बहती हुई रुधौली क्षेत्र को पार करती है। हो सकता है कि शव किसी दूसरे जगह से बहकर आया हो। प्रभारी निरीक्षक संजय दूबे ने कहा कि पशुओं का शव मिलने की सूचना पर पशु चिकित्सकों को बुलाकर आवश्यक नमूने एकत्र कराए हैं। डॉक्टरों की मौजूदगी में शवों को दफन करा दिया गया है। मामले में छानबीन की जा रही है।

शिविर में 35 महिलाओं की नसबंदी की गई

मुंडेरवा। सीएचसी मुंडेरवा में बृहस्पतिवार को नसबंदी शिविर लगाया गया। इस दौरान सर्जन डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व मे 35 महिलाओं की नसबंदी की गई। डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि प्रत्येक माह सीएचसी व पीएचसी पर एक या दो नसबंदी शिविर लगाया जाता है। इधर कुछ माह से शिविर नहीं लग पा रहा था। डॉ. मेहनाज गनी ने बताया कि नसबंदी कराने वाली प्रत्येक महिलाओं को प्रदेश सरकार की ओर से दो हजार रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि पुरुषों की नसबंदी जिला अस्पताल में होती है। इस दौरान डॉ. शिप्रा शर्मा, डॉ. फारुख खान, डॉ. अभिषेक यादव, बबिता अग्रहरि, सत्येन्द्र कुमार, हिमांशी आदि मौजूद रहीं।

डीएम ने रैन बसेरे का किया निरीक्षण

मुंडेरवा। बृहस्पतिवार की देर शाम को डीएम कृतिका ज्योत्सना ने वार्ड नंबर दो गौतम बुद्ध नगर में स्थित रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया। यहां ठहरे लोगों से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। रैन बसेरे का रजिस्टर और अब की एंट्री को देखा।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी वर्ष पर संगोष्ठी

लखनऊ (संवाददाता)। इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना के संगम का साक्षी बना इंदिरा भवन उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी, लखनऊ के सहयोग में एक संगोष्ठी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम गुरू तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष एवं विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजन किया गया। इस आयोजन में इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर गहन चर्चा हुई। संगोष्ठी का मुख्य विषय राष्ट्रीय चेतना हिन्द की चादर गुरु तेग बहादुरश था। इस विषय ने श्रोताओं को भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर जोड़ा, जिससे सभागार में विचार, इतिहास और संवेदना का एक गंभीर और प्रेरणादायक वातावरण निर्मित हुआ। पंजाबी साहित्य के विशेषज्ञ स. नरेन्द्र सिंह मोंगा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब की संपूर्ण वाणी हिंदी में है, लेकिन गुरुमुखी लिपि में होने के कारण हिंदी भाषी लोग इससे पूरी तरह परिचित नहीं हो पाए हैं। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी की वाणी को हिंदी पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि उनकी वाणी करुणा, निडरता, सहिष्णुता और बलिदान का संदेश देती है, जो वर्तमान समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

राजू आदिवासी को मिली झोपड़ी से मुक्ति, पक्के मकान में संवर रही जिंदगी

ग्वालियर। जनपद पंचायत भितरवार से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित मागरपुर गांव के आदिवासी दफाई में रहने वाले राजू आदिवासी की जिंदगी शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से पूरी तरह बदल गई है। कभी कच्ची झोपड़ी में चार बेटियों के साथ अभावपूर्ण जीवन जीने वाला राजू आज स्वयं के पक्के मकान में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत राजू को पक्का और सुरक्षित घर मिला, जिससे उसके परिवार को स्थायित्व और आत्मसम्मान की अनुभूति हुई। वहीं, मनरेगा योजना से 95 दिन का रोजगार मिलने से उसकी आय में वृद्धि हुई और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई। उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिलने से चूल्हे के धुएं से मुक्ति मिली, जबकि बिजली कनेक्शन मिलने से बेटियों की पढ़ाई सुचारु रूप से हो पा रही है। इसके साथ ही घर तक नल से जल, शौचालय, राशन कार्ड, सहरिया पोषण आहार, आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलने से परिवार का जीवन सुरक्षित और सुविधाजनक हुआ है।

288 चिली सॉस व 96 वेजिटेबल सॉस की बोतलें जब्त, कारोबार बंद करने के निर्देश

अवैध रूप से संचालित सॉस निर्माण इकाई पर कार्रवाई

■ ग्वालियर

ग्वालियर व्यापार मेला सहित जिले में शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मुरार स्थित एक सॉस निर्माण इकाई पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से निर्मित सॉस की सैकड़ों बोतलें जब्त की हैं।

अभिहित अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी लोकेन्द्र सिंह, राजेश कुमार गुप्ता, दिनेश सिंह निम एवं निरूपमा शर्मा की टीम ने वाई उद्योग, रामजानकी पुरम (ग्रीनवुड स्कूल के पास) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फर्म संचालक आलोक बघेल द्वारा प्रस्तुत खाद्य पंजीयन में अंकित पता सैनिक कॉलोनी मुरार का है, जबकि वास्तविक संचालन रामजानकी पुरम के एक आवासीय मकान में किया जा रहा था। इसके साथ ही पलक ब्रांड नाम से पैक की गई सॉस की बोतलों पर आवश्यक व वैध लेबलिंग भी नहीं पाई गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश सिंह निम द्वारा मौके से पलक चिली सॉस के 288 बोतल और पलक वेजिटेबल सॉस की 96 बोतलों के नमूने लेकर नियमानुसार जब्त किए गए। जब्त सॉस की अनुमानित कीमत लगभग 26 हजार 880 रुपये बताई गई है। वैध पंजीयन के अभाव एवं आवासीय भवन में खाद्य निर्माण पाए जाने पर टीम ने फर्म संचालक को तत्काल खाद्य कारोबार बंद करने के निर्देश दिए। जब्त किए गए नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा नियमानुसार आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेले में दुकानों का किया निरीक्षण

चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से मेले में लगे फूड स्टॉल, रेस्टोरेंट, सॉफ्टी एवं पापड़ सेंटरों की नियमित जांच की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश धाकड़ द्वारा निरीक्षण के दौरान स्टॉल संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने, खाद्य तेल का दो-तीन बार से अधिक उपयोग न करने, सही लेबलिंग वाले पैक्ड पदार्थों का उपयोग करने तथा एमपी ऑनलाइन या फॉसकॉस पोर्टल पर खाद्य पंजीयन कराने की सख्त हिदायत दी गई है।

61 अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति पर एकलपीठ दोबारा करेगी सुनवाई

■ ग्वालियर

नगर निगम में 61 अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति के विषय पर मप्र उच्च न्यायालय की युगलपीठ ने एकलपीठ को पुनः सुनवाई करने के निर्देश दिए हैं। पूर्व में ग्वालियर एकल खंडपीठ ने डॉ. अनुराधा गुप्ता की याचिका क्रमांक 9096/2024 पर सुनवाई के बाद 25 मई 2025 को अपने आदेश में सभी 61 अधिकारियों को मूल विभाग भेजे जाने का आदेश दिया था। जिस पर प्रभावित हो रहे लगभग आधा दर्जन अधिकारियों ने युगलपीठ में रिट याचिका 1605/2025 प्रस्तुत की। तब युगलपीठ ने एकलपीठ के निर्णय पर स्थगन दे दिया था। इस याचिका पर सुनवाई के बाद 8 जनवरी को न्यायमूर्ति द्वय आनंद पाठक एवं पुष्पेन्द्र यादव ने याचिका को आंशिक स्वीकार करते हुए पुनः एकलपीठ में सुनवाई के लिए भेजने के निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि कोई भी याचिका वापस नहीं लेगा। राज्य सरकार और ननि को संबंधित अधिकारियों का प्रथक प्रथक रिकार्ड पेश करना होगा। यह याचिका निगम अधिकारियों विजय राज, रजनी शुक्ला, अनिल कुमार दुबे, डॉ. अनुज शर्मा, तनुजा वर्मा, ग्रीष्मा आर्य, कुलदीप पाराशर, सपना चौहान, सुरुचि बंसल आदि की ओर से अलग-अलग लगाई गई थी, जिन पर युगलपीठ ने एक साथ सुनवाई के बाद निर्णय दिया।

150 बच्चों को फल वितरित

ग्वालियर। लायंस क्लब ग्वालियर अनुभूति द्वारा पोषण पर्व सेवा सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को 150 बच्चों को फल का वितरण किया। इस मौके पर संस्थापक अध्यक्ष मीनाक्षी गोयल, अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं सचिव कमल बनवारी उपस्थित रहे।

सिंधिया का दिग्गी पर पलटवार 'चित्त भी मेरी पट्ट भी मेरी' नहीं चलेगी

■ ग्वालियर

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुरुवार को चार दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर आने के बाद शिवपुरी रवाना हो गए। विमानतल पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा एसआईआर में गड़बड़ी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि चित्त भी मेरी पट्ट भी मेरी नहीं चलेगी। दिग्विजय सिंह ने अपनी पोस्ट में बीएलए पर आरोप लगाया था कि भाजपा के बीएलए कांग्रेस समर्थकों पर फार्म 7 के जरिए आपत्तियां लगवा रहे हैं। इसपर पत्रकारों के जवाब में सिंधिया ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चुनाव जीते तो सबकुछ ठीक है और किंग भी हैं लेकिन हारने पर सबकुछ बुरा ही बुरा। लेकिन अब यह नहीं चलेगा, जनता जो करेगी वही सही है। हमें दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर गर्व करना चाहिए।एक सवाल के जवाब में सिंधिया ने कहा कि अटल एक्सप्रेस-वे की बाधाओं को हमने दूर किया है ताकि जल्द से जल्द औद्योगिक क्रांति आ सके।

पेंशनर आज मनाएंगे मांग दिवस

ग्वालियर। फोरम ऑफ सिविल पेंशनर्स एसोसिएशंस के बैनर तले ग्वालियर के राज्य, केंद्र, पीएसयू, के विभिन्न पेंशनर्स संगठन शुक्रवार को गांधी पार्क फूलबाग पर मांग दिवस मनाएंगे। जिसमें आठवें वेतन आयोग के संदर्भ की शर्तों में 2026 के पहले के पेंशनर्स की पेंशन संशोधन समीक्षा तथा वेतन आयोग की सिफारिशें 01 जनवरी 2026 से लागू किए जाने को जोड़े जाने की टीओआर में संशोधन की मांग की साथ वैलिडिटी पेंशन संशोधन नियम 2025 को रद्द किए जाने की मांग प्रमुख है। संयोजक सिविल पेंशनर एसोसिशन्स बीपी गणक ने कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

खादी एक्सपो का शुभारंभ, देश के एक दर्जन शिल्पी लाए हैं अपनी कला

■ ग्वालियर

ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में स्थित दस्तकारी हाट में 'खादी एक्सपो' का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। इस हाट में देश के विभिन्न राज्यों के एक दर्जन से ज्यादा कला-शिल्पी एवं बुनकर एक से बढ़कर एक हस्तशिल्प उत्पाद लेकर आए हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से सहकारिता के क्षेत्र, स्व-सहायता समूह एवं व्यक्तिगत रूप से हस्तशिल्प उत्पाद से जुड़े छोटे-छोटे व्यवसाइयों के उत्पादों को बिक्री के लिए अच्छा मंच मिलता है। साथ ही शिल्पकला प्रेमियों को उचित दाम पर अच्छे उत्पाद मिल जाते हैं। इससे लोकल फॉर वोकल (स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना) अवधारणा को भी बल मिलता है। इस मौके पर उन्होंने एक्सपो में लगे स्टॉल का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मध्यभारत खादी संघ के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, सचिव रमाकांत शर्मा, खादी एक्सपो के संयोजक गोवर्धन सिंह भदौरिया, रश्मि परिहार, अरुण सिंह तोमर, केके समाधिया, अशोक जादौन, वीरेन्द्र जैन व अशोक जैन आदि उपस्थित रहे।

यह उत्पाद आए

खादी एक्सपो में देशभर के शिल्पी आए हुए हैं। इन शिल्पियों ने कश्मीरी पसमीना की शॉलें, लखनवी चिकन, भागलपुरी सिल्क साड़ियां, गुजराती कढ़ाईदार वस्त्र, मधुवनी व नालंदा कसीदाकारीयुक्त विशेष वस्त्र, जयपुरी रजाईयां उपलब्ध हैं। इसके अलावा जीआई टैग युक्त पेपरमेशी कला आर्ट, कोल्हूघानी से निर्मित सरसों, मूंगफली व तिल तेल, अगरबत्ती, मसाले, शहद व गाय का शुद्ध घी खादी एक्सपो में उपलब्ध है।

बेटे को बचाने आई महिला को पीटा, पुलिस से शिकायत

■ ग्वालियर

महाराजपुरा थानाक्षेत्र में एक महिला और उसके बेटे के साथ पड़ोसी ने मारपीट की। यह घटना बुधवार दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच की है, जो पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित महिला ने बताया कि उनके पड़ोसी नरेंद्र शर्मा और मनीष शर्मा एक कुत्ते को लाठी-डंडों से पीट रहे थे। जब उनके बेटे ने इस घटना का वीडियो बनाना शुरू किया, तो मनीष शर्मा उसे मारने के लिए दौड़े। बेटे को बचाने के लिए वह बीच में आईं, जिस पर उनके साथ भी मारपीट की गई। महिला ने आरोप लगाया कि पड़ोसी ने उस पर अश्लील टिप्पणियां कीं और बेटे का मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी ने उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि जब वह शिकायत लेकर थाने पहुंची, तो वहां उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। उसने मारपीट के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपे थे, इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। घटना के बाद से वह घर से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रही है। इस मामले को लेकर सीएसपी रॉबिन जैन ने बताया कि कुछ महिलाओं ने मारपीट की शिकायत को लेकर लिखित आवेदन दिया है। शिकायत में अन्य आरोपियों के नाम भी शामिल किए गए हैं। महिलाओं के आवेदन पर संबंधित थाना प्रभारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टिल्लूपंप का तार लगाने को लेकर मारपीट, दो के सिर फूटे

ग्वालियर। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के सागरताल स्थित सरकारी मल्टी में टुल्लू पंप का तार लगाने को लेकर हुआ, जिसमें दो पक्ष आपस में भिड़ गए। मारपीट में दो लोगों के सिर फूट गए। पुलिस तक सूचना पहुंची तो मौके पर पहुंची और दोनों पक्ष के लोगों को पकड़कर थाने ले आई। पुलिस ने दोनों पक्ष के खिलाफ मारपीट तथा हंगामा करने का मामला कायम कर लिया है। सागरताल स्थित सरकारी मल्टी में रहने वाली गीता प्रजापति और कमलेश जाटव के बीच मुंहवाद शुरु हुआ, जो कुछ देर बाद मारपीट में बदल गया। दोनों तरफ के लोग मौके पर जुट गए और जिसके हाथ में जो लगा उससे हमला कर दिया। गीता प्रजापति के पति श्याम प्रजापति ने प्लास उठाकर मारा जो कमलेश जाटव के सिर में लगा और खून बहने लगा। वहीं गीता प्रजापति का कहना था कि कमलेश जाटव के पति महेन्द्र ने कोई चीज उठाकर मारी जिससे सिर में चोट लगी। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है।

बछड़े के शव को रखकर गौसेवकों ने किया चक्काजाम, जांच शुरू

● पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

■ ग्वालियर

लक्ष्मीगंज बिजलीघर के पास एक बछड़े का क्षत-विक्षत शव मिलने से क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। घटना से आक्रोशित गौसेवकों ने बछड़े के शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। गौसेवकों का आरोप है कि बछड़े की हत्या कर उसका धड़ काटकर कोई अज्ञात व्यक्ति अपने साथ ले गया है।

जानकारी के अनुसार गौसेवकों को सूचना मिली थी कि लक्ष्मीगंज बिजलीघर के समीप एक बछड़े का शव पड़ा है। मौके पर पहुंचने पर देखा गया कि बछड़े का सिर और पैर ही वहां मौजूद थे, जबकि धड़ गायब था। इस दृश्य से आक्रोशित गौसेवकों ने लक्ष्मीगंज चौराहे विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे गौसेवकों से चर्चा कर उन्हें शांत किया। पुलिस ने गौसेवकों से आवेदन लेकर मामले की जांच का आश्वासन दिया। पुलिस ने बताया कि बछड़े के शव को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और यदि हत्या या अन्य आपराधिक कृत्य की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की समझाइश के बाद गौसेवकों ने चक्काजाम समाप्त किया, जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका।

सर्जरी के ऑपरेशन होंगे शुरू, मरीजों को मिलेगा लाभ

बिरला नगर सिविल अस्पताल को मिले चार चिकित्सक

■ ग्वालियर

बिरला नगर स्थित सिविल अस्पताल में लंबे समय से प्रतीक्षित चिकित्सकों की नियुक्ति आखिरकार शुरू हो गई है। शासन द्वारा चार चिकित्सकों की पदस्थापना किए जाने से अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति मिलेगी, जिसका सीधा लाभ क्षेत्र के मरीजों को मिलेगा। यह अस्पताल 100 पलंग का है और इसे सिविल अस्पताल का दर्जा मिलने के बाद से यहां अधोसंरचना और मानव संसाधन के विस्तार की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

जानकारी के अनुसार, पूर्व में बिरला नगर प्रसूति गृह के रूप में संचालित इस संस्थान को सिविल अस्पताल का दर्जा दिए जाने के बाद अप्रैल 2025 में शासन स्तर पर चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ सहित कुल 98 पदों की स्वीकृति प्रदान की गई थी। हालांकि स्वीकृति के बावजूद अब तक अधिकांश पद रिक्त पड़े हुए थे, जिससे अस्पताल की सेवाएं अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पा रही थीं। अब शासन ने रिक्त पदों को चरणबद्ध रूप से भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी क्रम में हाल ही में अस्पताल में चार विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। इनमें सर्जरी विभाग में डॉ. सुनील कुमार गुप्ता, अस्थि रोग विशेषज्ञ के रूप में डॉ. हरेंद्र प्रताप, शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में डॉ. आदर्श वर्मा तथा डॉ. साधना पांडे की पदस्थापना की गई है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता से अब मरीजों को छोटे-बड़े ऑपरेशन, अस्थि रोग उपचार तथा बच्चों से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए अन्य बड़े अस्पतालों की ओर रेफर नहीं किया जाएगा।

इन पदों की मिली है स्वीकृति

सिविल अस्पताल को शासन स्तर पर विभिन्न संवर्गों के कुल 98 पद स्वीकृत किए गए हैं। इनमें अस्पताल अधीक्षक, मेडिकल विशेषज्ञ, सर्जरी विशेषज्ञ, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, निश्चेतना विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, ईएनटी विशेषज्ञ, दंत शल्य चिकित्सक, सहायक प्रबंधक, प्रशासकीय अधिकारी, फिजियोथेरेपिस्ट, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, नेत्र सहायक, लेखापाल, कोल्ड चेन एवं वैक्सीन लॉजिस्टिक असिस्टेंट (संविदा), कम्प्यूटर ऑपरेटर (आउटसोर्स) के एक-एक पद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त चिकित्सा अधिकारी के 9 पद, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के 4, नर्सिंग अधिकारी के 20, लैब टेक्नीशियन के 4, रेडियोग्राफर के 2, फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के 3, ओटी टेक्नीशियन के 2, अस्पताल सहायक के 10, वाहन चालक (आउटसोर्स) के 2, भृत्य (आउटसोर्स) के 2 तथा मल्टी स्किल्ड ग्रुप-डी वर्कर (आउटसोर्स) के 17 पद स्वीकृत किए गए हैं।

इनका कहना है

शासन स्तर पर अस्पताल में चिकित्सकों की नियुक्तियां की जा रही हैं। जल्द ही यहां ऑपरेशन की सुविधा भी शुरू की जाएगी।

डॉ. सचिन श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

अब नहीं आएंगे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी

प्रशासन से नहीं मिली अनुमति तो कांग्रेस की जनाक्रोश सभा स्थगित

■ ग्वालियर

मोहना में शुक्रवार को होने वाली कांग्रेस की बहुप्रतीक्षित जनाक्रोश जनसभा को प्रशासन की स्वीकृति नहीं मिलने से स्थगित कर दिया गया है। गुरुवार को पत्रकारवार्ता में पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रशासन ने सभा आयोजित करने को लेकर अंतिम समय तक अंधेरे में रखा। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभा आयोजन को लेकर आयुक्त से लेकर जिलाधिकारी एसडीएम एवं संबंधित अधिकारियों को लिखित में आवेदन दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन भाजपा की कठपुतली बनकर रह गया है। मोहना में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजेवाद के खिलाफ इस जनाक्रोश सभा को संबोधित करने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी आ रहे थे। यादव ने कहा कि यह सभा स्थगित जरूर की जा रही है लेकिन आगे इसे और भी व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। पत्रकारवार्ता में राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, राधाकृष्ण धाकड़ अध्यक्ष, नगर परिषद मोहना, आरपी सिंह, डॉ. राम पाण्डे, धर्मेंद्र शर्मा आदि उपस्थित थे। इससे पहले राधाकृष्ण धाकड़, अध्यक्ष, नगर परिषद मोहना ने परिषद की वर्तमान कार्यप्रणाली पर कई तरह के सवालिया निशान उठाए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी सियाशरण यादव को घेरते हुए उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। धाकड़ ने कहा कि बिना परिषद या अध्यक्ष की जानकारी में लाए बिना करोड़ों रुपए का गमन कर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री और आला अधिकारियों से की गई लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई।

लोकतंत्र का मखौल उड़ा रही है भाजपा : डॉ. सिकरवार

ग्वालियर उत्तर से कांग्रेस विधायक ने जनाक्रोश सभा को निरस्त किए जाने पर प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक रैली रोकने से हमारे हौसले कमजोर नहीं हो जाएंगे। मोहना में जनसभा में हम गोली चलाने नहीं जा रहे थे। आम लोगों की आवाज उठाने के लिए हम लोकतांत्रिक तरीके से अपना काम कर रहे थे लेकिन सभा को रोकने के लिए भाजपा ने प्रशासन को आगे करके लोकतांत्रिक मूल्यों का उपहास उड़ाया है। इससे यह भी साबित हो गया कि प्रशासन भाजपा के इशारे पर कठपुतली बन गया है। लोकतंत्र में विपक्ष को आंदोलन व प्रदर्शन करने का अधिकार है लेकिन भाजपा शासन ने इस अधिकार से भी वंचित कर दिया है।

मृतकों को न्याय दिलाने कांग्रेस सड़कों पर आंदोलन करेगी: अशोक सिंह

पत्रकारवार्ता में राज्यसभा सांसद अशोक सिंह ने कहा कि इंदौर के भागीरथपुरा में 20 निर्दोष लोगों की मौत प्रशासन की घनघोर लापरवाही का उदाहरण है। मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख का मुआवजा नाकाफी है। कांग्रेस इस मुआवजे को एक-एक करोड़ दिए जाने की मांग करती है। कांग्रेस की मप्र इकाई 11 जनवरी को इंदौर में बड़ा गणपति मंदिर से राजवाड़ा स्थित देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा तक पैदल मार्च का आयोजन कर रही है जिसमें प्रदेश के सभी शीर्ष नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहभागिता करेंगे।

कैंसर अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम

कैंसर रोगियों का हौसला बढ़ाया

■ ग्वालियर

कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में यूको बैंक के 84वें स्थापना दिवस एवं सर्वाइकल कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर एचपीवी वैक्सीनेशन ड्राइव, सर्वाइकल कैंसर जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूको बैंक द्वारा युवा बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रायोजित किया गया।

साथ ही अस्पताल के महिला सपोर्ट ग्रुप की कैंसर रोगियों की उपस्थिति में उनका हौसला भी बढ़ाया गया। कार्यक्रम में यूको बैंक के डिवीजन हेड अक्षय कुमार, कैंसर हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. बी. आर. श्रीवास्तव, पीजी कॉलेज की निदेशक डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. जी. एस. राजपूत, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. गुंजन श्रीवास्तव, गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रजनी अग्रवाल व डॉ. मोनिका देवान, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट डॉ. एस. पी. त्रिपाठी की उपस्थिति रही। डॉ. गुंजन श्रीवास्तव ने एचपीवी वैक्सीन को सर्वाइकल कैंसर रोकथाम में प्रभावी बताया। अक्षय कुमार ने बेटियों के स्वास्थ्य संरक्षण को प्राथमिकता बताते हुए यूको बैंक के सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का संचालन वर्षा भदोरिया ने किया। इस अवसर पर अंकिता मौर्या, सुप्रिया गर्ग, रूपम सक्सैना, बरखा नामदेव, ज्योति, सूजा पॉलसन सहित अस्पताल व बैंक का स्टाफ मौजूद रहा।

सम्पादकीय

अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा

नेशनल मेडिकल कमीशन ने मंगलवार देर रात जम्मू-कश्मीर के रियासी में स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की मान्यता रद्द कर दी। इस खबर को पढ़ते ही शौक बहराइची का मशहूर शेर याद आ गया कि-बर्बाद गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफी था। हर शाख पे उल्लू बैठा है अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा।। देश में पहले से अच्छे उच्च शिक्षा संस्थानों की भारी कमी है। धार्मिक स्थलों के निर्माण, सौंदर्यीकरण, रख-रखाव पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, सरकार में बैठे लोगों का रोजमर्रा का खर्च लाखों में होता है, फिजूल के प्रचार कार्यक्रमों में करोड़ों रुपए खर्च कर दिए जाते हैं, लेकिन जब उच्च कोटि के अस्पतालों और शिक्षा संस्थानों के निर्माण और उन्नयन की बारी आती है तो सरकार के पास धन की कमी दिखाई जाती है। छात्रों को पढ़ने और शोध कार्यों के लिए आसानी से धन मुहैया कराने की जगह सरकार का ध्यान शिलान्यासों और हरी झंडी दिखाने में लगा रहता है। ऐसे में एक मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द कर देना ऐसा फैसला है, जिस पर सिर ही पीटा जा सकता है मान्यता रद्द करने के पीछे मानकों का पालन न होने का कारण बताया जा रहा है। लेकिन असल मुद्दा यही है कि पिछले काफी वक्त से इस मेडिकल कॉलेज में मुस्लिम छात्रों को मिले दाखिले पर हिंदू संगठन आपत्ति जता रहे थे और इसके लिए बाकायदा संघर्ष समिति बनाकर आंदोलन किया जा रहा था। दरअसल इस मेडिकल कॉलेज के पहले एमबीबीएस बैच के 50 छात्रों में से 42 मुस्लिम, एक सिख और केवल 8 हिंदू छात्र जम्मू क्षेत्र से होने की जानकारी सामने आई थी। अधिकतर छात्र कश्मीर से थे। इसी पर हिंदूवादी संगठन हंगामा मचा रहे थे कि जब मेडिकल कॉलेज हिंदुओं के दिए दान से चल रहा है, तो उसमें मुस्लिम छात्रों को दाखिला क्यों दिया जा रहा है। आंदोलनकारी बाकायदा कॉलेज को बंद करने की मांग भी कर रहे थे। जो अब शायद मानकों के बहाने से पूरी कर दी गई है जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस फैसले पर निराश होते हुए कहा है कि उन बच्चों ने मेहनत करके सीट हासिल की है, यह किसी का उन पर एहसान नहीं है- न मेरा, न यूनिवर्सिटी का। उन्होंने परीक्षा पास करके सीट प्राप्त की है। अब अगर आप उन्हें वहां नहीं पढ़ाना चाहते, तो कहीं और उनका इंतजाम कीजिए। वे किसी के एहसान पर नहीं आए हैं। वहीं महबूबा मुफ्ती ने कहा कि बीमारी का इलाज करने के बजाय, मरीज को बिना किसी गलती के दंडित किया जा रहा है। अधिक चिंताजनक बात यह है कि यदि एसएमवीडी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो इसे अन्य जगहों पर भी दोहराया जा सकता है, जिससे मेहनती युवाओं का भविष्य गंभीर खतरे में पड़ जाएगा।गौरतलब है कि नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने एसएमवीडी से एमबीबीएस कोर्स चलाने की इजाजत वाले आदेश को वापस ले लिया है। इसके बाद से ही छात्र और उनके शिक्षक चिंतित हैं। फैकल्टी सदस्यों ने आरोप लगाया कि हिंदुत्ववादी संगठनों के आंदोलन ने एनएमसी के फैसले को प्रभावित किया है। बता दें कि 2 जनवरी को एनएमसी ने संस्थान का औचक निरीक्षण किया और महज 15 मिनट में फैसला लिया कि 2025-26 सत्र के लिए एमबीबीएस कोर्स चलाने के लिए दी गई अनुमति वापस ली जाती है। एक बयान में कहा गया है कि यह फैसला अधोसंरचना में गंभीर कमियों के आधार पर लिया गया है मेडिकल एजुकेशन रेगुलेटर के अनुसार, पिछले दो हफ्तों में खराब इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लिनिकल मटीरियल की कमी और फैकल्टी एवं रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी की कई शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। बोर्ड ने मंगलवार को एक आदेश जारी किया। रिपोर्ट के अनुसार कॉलेज में शिक्षकों की संख्या करीब 39 प्रतिशत कम थी। ट्यूटर, डेमोंस्ट्रेटर और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर भी 65 प्रतिशत कम मिले। मरीजों की संख्या भी निर्धारित मानकों से काफी कम मिली। दोपहर 1 बजे तक ओपीडी में सिर्फ 182 मरीज मौजूद थे, जबकि कम से कम 400 मरीज होने चाहिए थे। अस्पताल में केवल 45 प्रतिशत बेड पर मरीज थे, जबकि मानक 80 प्रतिशत का है। आईसीयू में भी क्षमता से आधे मरीज थे। इसके अलावा कई विभागों में लैबोरेटरी नहीं थीं, रिसर्च लैब नहीं थी, लेक्चर थिएटर मानकों के अनुरूप नहीं थे और लाइब्रेरी में सिर्फ 744 किताबें थीं जबकि 1500 किताबें जरूरी हैं। केवल 2 ऑपरेशन थिएटर काम कर रहे थे जबकि कम से कम 5 थिएटर होने चाहिए थे। पैरा-क्लीनिकल विषयों के लिए उपकरण भी पर्याप्त नहीं थे मान लिया जाए कि इस रिपोर्ट के मुताबिक संस्थान में ढेर सारी कमियां थीं, लेकिन उन कमियों को दूर किया जाना चाहिए या संस्थान ही बंद होना चाहिए। एनएमसी का कहना है कि जिन छात्रों का दाखिला हो चुका है, उनका वर्ष बर्बाद नहीं होगा और उन्हें जम्मू और कश्मीर के दूसरे मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों में समायोजित किया जाएगा। लेकिन इस प्रक्रिया में छात्रों को जिस मानसिक तकलीफ से गुजरना पड़ेगा, उसका निदान क्या है, यह भी मोदी सरकार को बताना चाहिए। हालांकि इस सरकार से अब शिक्षा के क्षेत्र में कुछ भी अच्छा करने की उम्मीद नहीं रखना चाहिए।

ट्रंप के 500% टैरिफ हथौड़े का वार बेअसर करेगी मोदी की ढाल

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर वैश्विक व्यापार में नया तूफान खड़ा कर दिया है। इस कदम को सीधे तौर पर भारत, चीन और यूरोपीय संघ जैसे बड़े बाजारों के खिलाफ दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह है कि अमेरिका पहले से ही भारत पर ऊंचे टैरिफ लागू कर चुका है लेकिन इसके बावजूद भारत का निर्यात तेजी से बढ़ा है और अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है। देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है। अमेरिका की इस रणनीति से सिर्फ भारत या चीन ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ भी असहज है और वहां भी अमेरिकी धमकियों को लेकर बेचैनी बढ़ रही है। वैसे भारत की स्थिति इस पूरे घटनाक्रम में अलग दिखाई देती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात तीन वर्षों की सबसे तेज दर से बढ़ा है। घरेलू मांग में मजबूती, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, विनिर्माण को बढ़ावा देने और नियमों को सरल बनाने से भारतीय उद्योग को नया आत्मविश्वास मिला है। साथ ही मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देकर और सुधारों को तेज कर यह संदेश दिया है कि बाहरी दबावों के आगे झुकने की बजाय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है। वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह दबाव की कूटनीति से नहीं बल्कि आर्थिक ताकत से जवाब देगा। देखा जाये तो अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का शोर दरअसल डर की राजनीति है। यह उस व्यवस्था की घबराहट को दिखाता है जो दुनिया के बदलते आर्थिक संतुलन को स्वीकार नहीं कर पा रही। भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहां वह न तो किसी के सामने झुकने को तैयार है और न ही टकराव की बेकार लड़ाई में पड़ना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति साफ है यानि सीधी भिड़ंत नहीं बल्कि नीतिगत प्रहार किया जाये। देखा जाये तो मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जो सुधार किए हैं वे आज इस संकट के समय ढाल बनकर सामने आ रहे हैं। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं हों या विदेशी निवेश के लिए नियमों का सरलीकरण हो, हर कदम का मकसद एक ही है भारत को आत्मनिर्भर बनाना। घरेलू उपभोक्ता बाजार की ताकत को सरकार ने रणनीतिक हथियार में बदला है। जब बाहरी बाजार दबाव बनाते हैं तब भीतर की मांग अर्थव्यवस्था को संभाल लेती है। यदि अमेरिका सचमुच भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाता है तो मोदी के पास कई विकल्प हैं। पहला है निर्यात बाजारों का और विविधीकरण। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। दूसरा उपाय है घरेलू विनिर्माण को और आक्रामक समर्थन। तीसरा उपाय है व्यापार समझौतों को तेज करना ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो। चौथा उपाय है विश्व व्यापार संगठन जैसे मंचों पर कानूनी और कूटनीतिक लड़ाई। वैसे अमेरिका की यह नीति खुद उसके लिए भी जोखिम भरी है। यूरोपीय संघ और चीन के साथ एक साथ टकराव वैश्विक मंदी को न्योता दे सकता है। भारत इस पूरे खेल में संतुलन की भूमिका निभा रहा है। न तो आंख दिखा रहा है और न ही आंख झुका रहा है। यही रणनीतिक परिपक्वता है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की शैली टैरिफ धमकी और दबाव पर आधारित रही है लेकिन मोदी की शैली नीतियों और सुधारों पर टिकी है। दोनों नेताओं के बीच यही मूल फर्क है। भारत ने दिखा दिया है कि टैरिफ से डर कर फैसले नहीं बदले जाते बल्कि अर्थव्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाता है कि टैरिफ बेअसर हो जाएं। उधर, अमेरिका के सौर गठबंधन से हटने का फैसला भी यही बताता है कि वह सहयोग की नहीं बल्कि नियंत्रण की राजनीति चाहता है। इसके उलट भारत बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर रहा है। यही कारण है कि आज भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज माना जा रहा है। देखा जाये तो आज भारत की अर्थव्यवस्था सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि आत्मविश्वास की कहानी है। निर्यात का बढ़ना, घरेलू मांग का मजबूत होना और सुधारों की निरंतरता यह सब बताता है कि भारत सही दिशा में है। अमेरिका चाहे जितनी भी ऊंची दीवार खड़ी करे भारतीय अर्थव्यवस्था उसके ऊपर से रास्ता निकाल लेगी। साथ ही यूरोपीय संघ और चीन के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। अमेरिकी दबाव के आगे झुकना समाधान नहीं है। भारत ने यह रास्ता दिखा दिया है कि आर्थिक मजबूती ही सबसे बड़ा जवाब है। इसलिए यह साफ है कि टैरिफ की राजनीति अल्पकालिक हथियार है जबकि सुधार और आत्मनिर्भरता दीर्घकालिक शक्ति हैं। मोदी की नीतियां इसी दीर्घकालिक सोच पर आधारित हैं। अगर अमेरिका 500 प्रतिशत टैरिफ का हथौड़ा उठाता है तो भारत के पास नीति सुधार, उपभोक्ता शक्ति और वैश्विक साझेदारी की पूरी ढाल मौजूद है। यही वजह है कि शोर चाहे जितना भी तेज हो, भारत की चाल शांत लेकिन घातक बनी हुई है। बहरहाल, अमेरिका चाहे यह कह दे कि व्यापार समझौता इसलिए अटका क्योंकि मोदी ने फोन नहीं किया, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अलग है। मोदी ऐसे नेता नहीं हैं जो दबाव में आकर या किसी के इशारे पर फैसले लें।

भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णतः गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णतः उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णतः अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्त्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णतः पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया।

जब इंसान जिम्मेदारी निभाने में विफल हो तो तकनीक ही समाधान है

चूंकि नए साल का पहला दिन हफ्ते के बीच में पड़ा, ऐसे में अधिकतर जगहों पर भीड़भाड़ के बजाय डाइनिंग-केंद्रित कारोबार देखने को मिला। लेकिन इस तथ्य के बावजूद पुणे पुलिस का रिकॉर्ड बताता है कि शहर में नव वर्ष पर शराब पीकर गाड़ी चलाने के 448 मामले दर्ज हुए। जबकि पिछले साल यह संख्या 310 थी। यानी 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी। जाहिर है, पुलिस चेकपॉइंट बढ़ाती है तो मामले ज्यादा सामने आते हैं। कई अन्य शहरों में भी ऐसी बढ़ोतरी हुई होगी। लेकिन नशे में ड्राइविंग के कुल मामलों, हादसों और मौतों का राष्ट्रीय स्तर का आधिकारिक डेटा इतनी जल्दी मिलना मुश्किल है। पुणे उदाहरण मात्र है। भारत ही नहीं, शायद पूरी दुनिया इसी समस्या से जूझ रही है। लोगों की गैर-जिम्मेदारी को लेकर बढ़ती चिंता ने इस क्षेत्र में वर्षों के ठहराव के बाद टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री को फिर से समाधान तलाशने के लिए प्रेरित किया है। इस साल हम ब्रेथ-बेस्ड और टच-बेस्ड सेंसर जैसी नई तकनीकें देख सकते हैं, ताकि नशेड़ी ड्राइवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों को कम किया जा सके। सोच रहे हैं यह काम कैसे करता है? यह तकनीक ड्राइवर की सांस को ड्राइवर साइड के दरवाजे, डैशबोर्ड या स्टीयरिंग पर लगे सेंसर तक खींचती है। जैसे ही वह सहज तौर पर सांस लेता है तो सेंसर सांस में मौजूद अल्कोहल की मात्रा पहचान लेता है। यह पारंपरिक ब्रेथ एनालाइजर से अलग है, जिसमें ड्राइवर को जोर की सांस छोड़नी पड़ती है। फिर निर्धारित सेटिंग पर निर्भर करता है कि शायद कार स्टार्ट ही न हो। स्टार्ट हो जाए और एसी की सुविधा मिल जाए, तो ड्राइवर गियर स्टिक आगे ना बढ़ा पाए। ताकि ड्राइवर को एसी का आराम तो मिले, लेकिन वह तब तक गाड़ी न चला पाए, जब तक मशीन अल्कोहल की अनुमत सीमा की पहचान न कर ले। क्या तकनीक से गलती हो सकती है? सौ फीसदी। आम तौर पर लोग अभी तकनीक पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। जबकि ड्राइवरों को डर है कि ये डिटेक्शन सिस्टम कार पर जरूरत से ज्यादा नियंत्रण कर लेंगे। कानून के अनुपालन से जुड़े आलोचक फॉल्स पॉजिटिव की आशंका भी जता रहे हैं। हाल ही में मैं न्यूयॉर्क से कनाडा सड़क मार्ग से गया। हम 60 मील प्रति घंटे (एमपीएच) की तय सीमा पर चल रहे थे। अमेरिका में 65 एमपीएच तक पुलिस अनदेखा करती है। 65 पार होते ही कार्रवाई करती है। लेकिन मेरी बहन की तरह बहुत कम लोग जानते हैं कि 67 एमपीएच तक भी पुलिस नहीं रोकती, क्योंकि 2 एमपीएच का टेक्नोलॉजी फॉल्ट बेनेफिट मिल जाता है। यही फॉल्स अलार्म एकमात्र चीज है, जो निमार्ताओं को वाहन में यह तकनीक लगाने से रोक रहा है। इन्श्योरेंस लॉबी इसका जोरदार समर्थन कर रही है, क्योंकि इससे अकेले अमेरिका में हर साल करीब 10 हजार जानें बच सकती हैं और कंपनियों को भी पैसे की बड़ी बचत होगी। लेकिन आलोचकों का मानना है कि यह तकनीक अभी इतनी तैयार नहीं कि निर्दोष ड्राइवरों को परेशान न करे। फिर अभी यह गाइडलाइन भी तय नहीं कि यदि सिस्टम पॉजिटिव रिजल्ट देता है तो आगे क्या होगा? शायद कार स्टार्ट न हो, लेकिन क्या सिस्टम सीधे पुलिस को कॉल भी करेगा? फिलहाल तो कोई नहीं जानता। तकनीक अभी परीक्षण और सुधार के दौर में है। इसे बना रही कंपनियां मजबूती से मानती हैं कि फिलहाल काल्पनिक फॉल्स-पॉजिटिव रेट का अनुमान लगाना बेहद जल्दबाजी होगी। डेवलपर्स का तर्क है कि ऑटोमोबाइल में एक भी ऐसा सेफ्टी सिस्टम नहीं है, जिसे उतनी सटीकता से परखा जाता हो, जितना ध्यान आलोचक ड्रंक-ड्राइविंग को लेकर दे रहे हैं। हाल ही में स्वीडिश कार निमार्ता वोल्वो कार ने एक वैकल्पिक तरीका अपनाया है। इसमें स्टीयरिंग व्हील के सेंसर ड्राइवर की आंखों, हेड मूवमेंट और ड्राइविंग पैटर्न का विश्लेषण करते हैं, ताकि नशा, उनींदा होने या अन्य अक्षमताओं को पहचाना जा सके।

ग्रीन फाइल ममता को गिरफ्तार करा देगी? ED ने कोर्ट में पलटा पूरा खेल

8 जनवरी को कोलकाता की सड़कों पर ऐसा तमाशा चला कि जिसकी गूंज दिल्ली तक सुनाई पड़ी। जिस आईपैक ने कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कैंपेन डिजाइन किया था। अब जो ममता बनर्जी की टीएमसी पार्टी के लिए कैंपेन करती है, उसी के ऑफिस पर ईडी की रेड पड़ी। लेकिन मामला तब तूल पकड़ा जब ममता बनर्जी कोलकाता में ईडी से ही भिड़ गईं। जहां छापा पर रहा था, वहां उन्होंने धावा बोल दिया। चुनावों के दौरान सर्वे करने वाली और रणनीति बनाने वाली कंपनी आईपैक के दफ्तर में छापा पड़ रहा था। इसके प्रमुख प्रतीक जैन के यहां छापा चल रहा था। ममता बनर्जी सीधे उनके घर गईं और पार्टी से जुड़े दस्तावेज, एक हरे रंग की फाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर बाहर आ गईं। इसके बाद वे आईपैक के दफ्तर भी गईं। ममता काफी गुस्से में नजर आ रही थीं। प्रधानमंत्री-गृह मंत्री को चुनौती देने लगीं कि चुनाव में लड़ने की हिम्मत दिखाएं। पार्टी के कागजात लूट कर उन्हें चुप कराने और डराने की कोशिश न करें। लेकिन क्या एक ग्रीन फाइल ममता बनर्जी को फंसा सकती है? ईडी के पास ऐसी कौन सी ताकत है जो ममता बनर्जी को गिरफ्तार तक करा सकती है। ईडी ने छापे के लिए किस कोयला घोटाले का नाम लिया, बदले में टीएमसी ने क्या आरोप लगाएं? पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इस पूरे घटनाक्रम के क्या मायने निकाले जा रहे हैं? तमाम पहलुओं का एमआरआई स्कैन करते हैं। 8 तारीख की सुबह ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के केस में कोलकाता में छापेमारी की। रेड आईपैक के कुछ दफ्तरों और आईपैक के चीफ प्रतीक जैन के आवास पर मारी गई। आईपैक एक पॉलिटिकल कंसलटेंसी फर्म है जो टीएमसी का काम भी देखती है। रेड चल ही रही थी कि खुद ममता बनर्जी वहां पहुंच गई। छापेमारी को रोकने की कोशिश हुई। पहले वह प्रतीक जैन के घर गई। जब बाहर निकली तो उनके हाथों में हरे रंग की एक फाइल थी। कैमरे के सामने आई और बीजेपी पर चोरी का आरोप लगाया। गृह मंत्री अमित शाह के लिए नॉटी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। कहा कि बीजेपी हमारी चुनावी स्ट्रेटजी को चुराना चाहती है। इसके बाद ममता बनर्जी आईपैक के दफ्तर पहुंची। ममता के पहुंचने के बाद सीएमओ के कुछ अधिकारी भी वहां आ गए। उन्होंने दफ्तर से कुछ फाइलों को उठाया और अपने साथ भरकर ले गए। उन फाइलों में क्या था यह किसी को नहीं मालूम क्योंकि वह ईडी के हाथों लग ही नहीं पाई। ईडी ने क्या कुछ आरोप ममता बनर्जी पर लगाए हैं साल 2020 के कथित कोयला चोरी घोटाले से जुड़ी जांच में बाधा डाली गई। यह आरोप लगाया गया है। कोर्ट में जो याचिका दायर की है उसमें ममता आईपैक के प्रमुख प्रतीक जैन के घर पर छापे के दौरान एक लैपटॉप, फोन और कई दस्तावेज अपने साथ ले गई हैं। यह ईडी का कहना है, यह कारवाई किसी भी राजनीतिक संगठन को निशाना बनाकर नहीं की गई है बल्कि कोयला खनन घोटाले से जुड़ी जांच के आधार पर की गई है। ईडी ने कोयला तस्करों और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बंगाल और दिल्ली के 10 ठिकानों पर छापेमारी की और उसी के तहत आईपैक पर छापेमारी की गई। मुख्यमंत्री ने ना सिर्फ तलाशी प्रक्रिया में दखल दिया बल्कि अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी अपने साथ वहां से हटाकर ले गई। यह कार्रवाई पूरी तरह कानून के तहत और सबूतों के आधार पर की जा रही थी। ईडी का यह आरोप कोर्ट में है और जांच का दायरा 2020 में हुए कथित हवाला लेनदेन से जुड़ा हुआ है। इसलिए प्रतीक जैन के ठिकानों पर छापेमारी की गई है। जिसका संबंध कोयला तस्करी और उससे अर्जित धन से बताया जा रहा है। आखिर इन फाइलों में ममता क्या छुपाने की कोशिश कर रही है? इस छापेमारी से ममता बनर्जी इतनी ज्यादा डर गई, बेचैन हो गई कि तुरंत आईपैक पहुंचती हैं और कुछ हरी फाइलें लेकर वहां से निकल जाती हैं। यानी दस्तावेज वहां से अपने साथ लेकर रवाना हो जाती हैं। अब सियासी लड़ाई जो है वो कानूनी पछड़े में फंस गई है। यानी कि ममता बनर्जी की इस तानाशाही के खिलाफ ईडी अब कोर्ट पहुंच गई है। अब ईडी ने हाई कोर्ट में ममता बनर्जी की तानाशाही और जिस तरीके से कानूनी कार्रवाही में अड़चन डालने की कोशिश की गई उसके खिलाफ याचिका दायर की है। तो दूसरी तरफ आईपैक के जरिए भी ईडी के खिलाफ याचिका दायर की गई है कोर्ट में। ईडी के पास है क्या ऐसा दांव रिपोर्ट के मुताबिक ईडी के पास अभी भी एक ऐसा दांव है जो मुख्यमंत्री को फंसा सकता है।

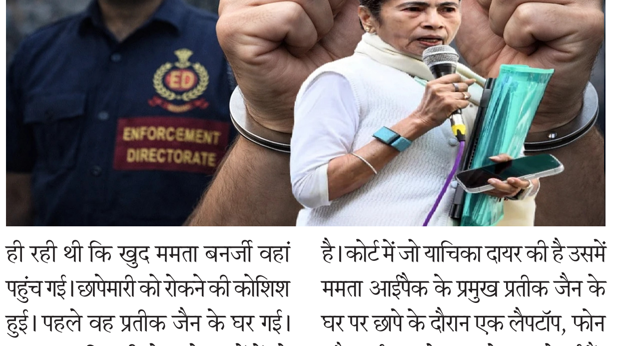

सत्य का अंतिम सत्य संकल्प, साहस, श्रम और सफलता

संजीव ठाकुर

सत्य का अंतिम रूप साहस, श्रम और सफलता से होकर गुजरता है और यह बात पूर्णतः सही है कि सत्य परेशान किया जा सकता है पराजित नहीं, क्योंकि यदि सत्य और सच्चाई न होती तो मानव जीवन का अस्तित्व ही संभव न होताय पहाड़, झरने, नदियाँ, जंगल, पृथ्वी और प्रकृति के संतुलन से लेकर मनुष्य और अन्य जीवों तक सब कुछ प्राकृतिक सत्य की ही उपज है, परंतु यह भी उतना ही सच है कि मनुष्य अपने लालच, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और स्वार्थ के कारण त्वरित लाभ पाने के लिए झूठ, छल और दिखावे का सहारा लेकर जीवन की गहराइयों में उतर जाता है, जबकि अंततः सत्य ही अंतिम विजय प्राप्त करता है, किंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के लगभग हर क्षेत्र से दूर होती जा रही है और जब हम स्वयं भ्रम में जी रहे हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम कौन से नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य सौंप पाएंगे, यह एक गंभीर प्रश्न बन गया हैय आज के उत्तर आधुनिक समाज में उपभोक्तावादी सोच इतनी हावी हो चुकी है कि भौतिक साधनों और सुखों की प्राप्ति ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य मान ली गई है, जिसके लिए झूठ, फरेब और साजिशें सामान्य व्यवहार बनती जा रही हैं, जबकि प्राचीन समय में समाज आत्मिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों पर आधारित था, पर विकास की बदली हुई परिभाषा ने समाज को इस मोड़ पर ला खड़ा किया है जहाँ भौतिकता सर्वोपरि हो गई है और इसके परिणामस्वरूप आपसी रिश्तों की गर्माहट, भरोसा और संवेदनशीलता तेजी से समाप्त होती जा रही हैय आज स्थिति यह है कि सत्य बोलना एक सामान्य आचरण न होकर कठिन साधना जैसा हो गया है, जबकि महात्मा गांधी ने अपने जीवन और विचारों में सत्य और अहिंसा को ही सामाजिक और नैतिक उत्थान का आधार माना था और उनका विश्वास था कि यदि व्यक्ति सत्य के प्रति निष्ठावान हो जाए तो समाज अपने आप ऊँचे स्तर तक पहुँच सकता है, क्योंकि सत्य और संयम व्यक्ति को आत्मबल, स्वाभिमान और आत्मसम्मान प्रदान करते हैं, वहीं असत्य मनुष्य को भीतर से कमजोर और अपराधबोध से ग्रस्त करता हैय कबीरदास जैसे संतों ने भी सत्य को ईश्वर के समान माना और समाज को झूठ से दूर रहने की सीख दी, क्योंकि झूठ केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे समाज को विकृत करता है और यही कारण है कि असत्य को सभी बुराइयों की जड़ माना गया है, आज भौतिक सुखों की अंधी दौड़ में पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते केवल औपचारिक बनकर रह गए हैं और मनुष्य अपनी सुविधा और सफलता के लिए बिना संकोच झूठ का सहारा ले रहा है, जिससे सामाजिक व्यवहार में असंवेदनशीलता और अविश्वास बढ़ता जा रहा हैय नैतिकता और अनैतिकता के बीच की महीन रेखा को पहचानने की क्षमता कमजोर पड़ती जा रही है और मनुष्य किसी भी साधन को सही ठहराने लगा है यदि उससे उसे लाभ मिलता हो, परिणामस्वरूप समाज में असंतुलन, विघटन और संबंधों का क्षय साफ दिखाई देता हैय इतिहास भी गवाह है कि जब-जब समाज ने सत्य और नैतिकता से दूरी बनाई है तब-तब पतन की प्रक्रिया तेज हुई है, आज जब भौतिक संपन्नता को ही सफलता का मापदंड बना लिया गया है तब मानवीय संबंध, संवेदनाएं और सामाजिक जिम्मेदारियाँ पीछे छूटती जा रही हैं और नैतिक मूल्यों की परंपरा लगभग समाप्ति की ओर है, ऐसे समय में यदि सत्य, संयम और ईमानदारी को जीवन का आधार नहीं बनाया गया तो भारतीय समाज भी धीरे-धीरे उस दिशा में बढ़ जाएगा जहाँ रिश्ते, संवेदना और मानवीय गरिमा केवल शब्दों तक सीमित रह जाते हैं, और तब हम केवल पछतावे के सिवा कुछ नहीं कर पाएंगेय आज नैतिकता दूसरों को उपदेश देने की वस्तु बन चुकी है जबकि स्वयं के आचरण में उसका अभाव दिखाई देता है, मनुष्य जो स्वयं सामाजिक व्यवस्था का निमार्ता है वही अब लोभ, आलस्य और संग्रह की प्रवृत्ति में फँसकर कम मेहनत में अधिक लाभ पाने के लिए झूठ और धोखे को सामान्य मानने लगा है, जो भारतीय सामाजिक ढाँचे के लिए शुभ संकेत नहीं है और यदि समय रहते सत्य आधारित जीवन दृष्टि को नहीं अपनाया गया तो सामाजिक और मानवीय मूल्यों का क्षरण और तेज होता चला जाएगा।

अवकाश के दिन भी खुलेगें नगर निगम के जोनल कार्यालय

लखनऊ (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ ने वर्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व राजस्व संग्रहण को गति देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नगर आयुक्त के आदेशानुसार आगामी शनिवार एवं रविवार, 10 व 11 जनवरी 2026 को नगर निगम के समस्त जोनल कार्यालय एवं कर काउंटर सुबह 10.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक खुले रहेंगे। वर्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ति में तीन माह से कम का समय शेष रह गया है। इस अवधि में नागरिकों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करते हुए गृहकर एवं जलकर की वसूली बढ़ाने तथा राजस्व लक्ष्य की पूर्ति के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सार्वजनिक अवकाश के दिन भी कर संबंधी कार्य किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।इन दोनों दिनों में नगर निगम के सभी जोनल कार्यालयों में भवनस्वामियों का कर निर्धारण, फीडिंग, संशोधन, आपत्तियों का निस्तारण तथा कर जमा कराने से संबंधित समस्त कार्य किए जाएंगे। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे करदाताओं से संपर्क कर उन्हें बकाया गृहकर व जलकर जमा कराने के लिए प्रेरित करें, जिससे अधिक से अधिक राजस्व संग्रह सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, नगर निगम प्रशासन द्वारा यह भी निर्देश दिए गए हैं

इन 5 चीजों के सेवन से बढ़ जाता है हाइपो थायरायडिज्म का जोखिम, डॉक्टर ने दी ये बड़ी सलाह

थायराइड एक सामान्य बीमारी है लेकिन अगर इसपर ध्यान न दिया गया तो ये काफी गंभीर हो सकता है और कई लोग इस समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में खानपान में कुछ सावधानियां बरतना बहुत जरूरी होता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। आजकल की भागदौड़ भरी जीवनशैली में थायराइड की समस्या एक आम बीमारी बन चुकी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी रसोई में मौजूद कुछ हेल्दी दिखने वाली चीजें ही आपके थायराइड हार्मोन के काम में बाधा डाल सकती हैं? हाल ही में डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक महत्वपूर्ण वीडियो साझा करते हुए चेतावनी दी है कि खाने-पीने की पांच बड़ी गलतियां आपको हाइपोथायरायडिज्म का शिकार बना सकती हैं। डॉक्टर सोलंकी के अनुसार जब हम कुछ खास खाद्य पदार्थों का गलत तरीके से या कच्चा सेवन करते हैं, तो वे शरीर में थायराइड हार्मोन के एक्शन को ब्लॉक करने लगते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और वजन बढ़ने, थकान और हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। थायराइड एक तितली के आकार की ग्रंथि है जो शरीर की ऊर्जा को नियंत्रित करती है, लेकिन गलत आहार इसे सक्रिय होने से रोकता है। डॉक्टर ने स्पष्ट किया है कि आहार में बदलाव करके इस समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है। आइए इस लेख में जानते हैं वे कौन से पांच फूड्स हैं जिन्हें डॉक्टर ने थायराइड का दुश्मन बताया है।

कच्ची क्रूसिफेरस सब्जियां

अक्सर लोग वजन घटाने के लिए पत्ता गोभी, फूलगोभी और ब्रोकली जैसी क्रूसिफेरस सब्जियों का सलाद खाते हैं। डॉक्टर शालिनी के अनुसार इन सब्जियों को कच्चा खाना थायराइड के लिए खतरनाक हो सकता है। इनमें 'ग्वाइट्रोजेन्स' होते हैं जो आयोडीन के अवशोषण को रोकते हैं। इन्हें हमेशा अच्छी तरह पकाकर या उबालकर ही खाएं, जिससे इनके हानिकारक तत्व निष्क्रिय हो जाएं और थायराइड ग्रंथि पर बुरा असर न पड़े।

सोया उत्पाद

सोया चंक्स, टोफू और अन्य सोया उत्पादों को प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन हाइपोथायरायडिज्म के मरीजों के लिए यह हानिकारक हो सकते हैं। सोया में मौजूद 'आइसोफ्लेवोन्स' थायराइड हार्मोन के उत्पादन में हस्तक्षेप करते हैं। खासकर कच्चा सोया या इसका अत्यधिक सेवन हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है। अगर आपको थायराइड की समस्या है, तो सोया उत्पादों के सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

जंक और प्रोसेस्ड फूड

बेकरी आइटम्स, पैकेट स्नैक्स और प्रोसेस्ड फूड थायराइड के बड़े दुश्मन हैं। डॉक्टर सोलंकी ने बताया कि इनमें मौजूद ट्रांस फैट और प्रिजर्वेटिव्स शरीर में इंफ्लेमेशन यानी सूजन बढ़ाते हैं। यह सूजन इम्यूनिटी पर बुरा असर डालती है, जिससे थायराइड ग्रंथि की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। स्वस्थ थायराइड के लिए पैकेट बंद फूड्स को अपनी डाइट से पूरी तरह बाहर करना ही बेहतर है।

आयोडीन और चीनी

आयोडीन थायराइड के लिए जरूरी है, लेकिन इसकी अति नुकसानदेह है। जरूरत से ज्यादा आयोडीन या आयोडाइड साल्ट का सेवन थायराइड फंक्शन को ब्लॉक कर सकता है। इसी तरह अत्यधिक चीनी, मिठाई और कोल्ड ड्रिंक से इंसुलिन रेसिस्टेंस बढ़ता है, जो सीधे थायराइड हार्मोन के मार्ग को बाधित करता है। चीनी का सेवन कम करके आप अपने थायराइड को फिर से सक्रिय बना सकते हैं।

डॉक्टर की सलाह और संतुलित जीवनशैली

डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी का यह परामर्श उन लोगों के लिए बेहद जरूरी है जो थायराइड की दवाओं के बावजूद सुधार महसूस नहीं कर रहे हैं। अपने आहार में इन पांच चीजों को संतुलित करें और कच्ची सब्जियों के बजाय पका हुआ भोजन अपनाएं। नियमित व्यायाम और सही खान-पान ही थायराइड को नियंत्रित करने की असली कुंजी है। ध्यान रखें छोटी-छोटी सावधानियां आपको जीवनभर दवाओं के बोझ से बचा सकती हैं।

मकर संक्रांति के मौके पर अवश्य बनती है ये खिचड़ी, रेसिपी नोट कर लें

मकर संक्रांति के मौके पर खिचड़ी बनाने की प्रथा है। यहां हम आपको खिचड़ी बनाने की सबसे सरल विधि बताएंगे, ताकि आप घर पर स्वादिष्ट पारंपरिक खिचड़ी बना सकें। मकर संक्रांति का त्योहार हर भारतीय के लिए बेहद खास होता है, क्योंकि इसी दिन से हिंदू धर्म में शुभ कार्यों की शुरूआत होती है। इसी के चलते लोग

इस दिन खूब दान-धर्म करके पुण्य करते हैं। इस दिन खिचड़ी बनाने की परंपरा है। उड़द दाल की खिचड़ी एक पारंपरिक और स्वादिष्ट भारतीय व्यंजन है, जिसे खासतौर पर मकर संक्रांति जैसे त्योहारों पर बनाना जाता है। ये एक हल्का, पौष्टिक और संतुलित भोजन है जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाता है। उड़द दाल की खिचड़ी को स्वादिष्ट बनाने के लिए इसे घी, मसाले और ताजी सब्जियों के साथ पकाया जाता है। ये विशेष रूप से उन लोगों के लिए आदर्श है जो हल्के और पौष्टिक भोजन की तलाश में होते हैं। ऐसे में हम आपको उड़द दाल की खिचड़ी बनाने की सरल विधि बताएंगे, जिसे आप मकर संक्रांति के मौके पर आसानी से घर पर बना सकते हैं।

उड़द दाल की खिचड़ी बनाने का सामान

1 कप उड़द दाल

1/2 कप चावल

1/2 चम्मच जीरा

1 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर

1 छोटी चम्मच हींग

1 हरी मिर्च (कटी हुई)

1 बड़ा चम्मच घी

1/2 चम्मच अदरक (कद्दूकस किया हुआ)

नमक स्वाद अनुसार

4 कप पानी

विधि

उड़द दाल की खिचड़ी बनाने के लिए सबसे पहले, उड़द दाल और चावल को अच्छे से धो लें। फिर इन्हें 15-20 मिनट के लिए भिगो दें, ताकि ये जल्दी पक जाएं। इसके बाद अब एक कढ़ाई में घी गरम करें। उसमें जीरा और हींग डालें। जब जीरा तड़कने लगे, तो उसमें अदरक और हरी मिर्च डालें और अच्छे से भूनें। अब इसमें हल्दी पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। फिर इसमें भिगोई हुई उड़द दाल और चावल डालकर 2-3 मिनट तक भूनें।

पोंगल के मौके पर पहन सकती हैं ऐसी साड़ियां, लेटेस्ट कलेक्शन पर डालें एक नजर

अगर आप पोंगल के त्योहार में अपना खूबसूरत लेकिन सादगी भरा अंदाज दिखाना चाहती हैं तो ये लेख आपके काम का है। हम आपको यहां बताएंगे कि पोंगल के त्योहार में कैसी

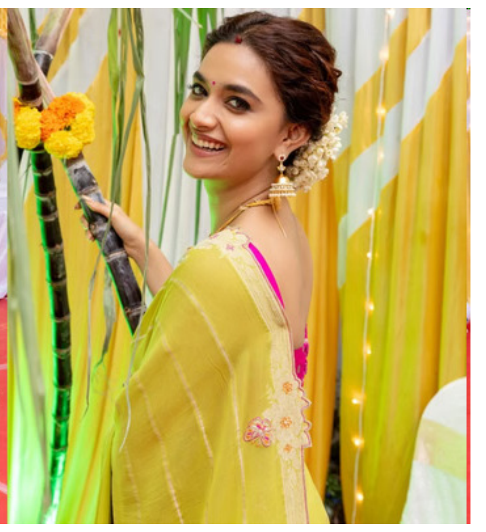

साड़ी पहनी जा सकती है। दक्षिण भारत में पोंगल त्योहार काफी धूम-धाम से मनाया जाता है। ये पर्व सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का उत्सव है, जो कि आमतौर पर हर साल 14 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जाता है। वैसे तो इस चार दिवसीय पर्व की पूरे धूम दक्षिण भारत में में देखने को मिलती है लेकिन इसका उत्साह सबसे अधिक तमिलनाडु में देखने को मिलता है। पोंगल के मौके पर घरों मे तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं और घरों को सजाया जाता है। घर सजाने के साथ लोग अपने लिए नए-नए कपड़े भी खरीदते हैं। अगर आप अपने लिए नयी साड़ी लेने का प्लान कर रही हैं तो यहां उसके कुछ विकल्प दिए जा रहे हैं क्योंकि महिलाएं इस त्योहार के लिए सबसे ज्यादा तैयार होती हैं। ऐसे में आप चाहें तो हमारे बताए विकल्पों को देखकर अपने लिए खरीदारी कर सकें। इससे आप पोंगल के त्योहार में सबसे प्यारी दिखेंगी।

कसावु साड़ी

अगर आप कुछ पारंपरिक पहनना चाहती हैं तो कसावु साड़ी से बेहतर विकल्प आपके लिए कुछ हो नहीं सकता।

कसावु साड़ी सफेद रंग की होती है, जिसपर गोल्डन रंग का बॉर्डर बना होता है।

इस तरह की साड़ी दक्षिण भारत में पूरा-पाठ और शादी के मौकों पर पहनी जाती है।

इसके साथ अपने मेकअप को लाइट ही रखें और बालों में गजरा अवश्य लगाएं।

पीली सिल्क की साड़ी

पीली सिल्क की साड़ी पोंगल के मौके पर एक बेहद खूबसूरत और पारंपरिक भारतीय परिधान है, जो खासकर त्योहारों, शादियों और खास अवसरों पर पहनी जाती है।

सिल्क की साड़ी की विशेषता इसकी मुलायम, चिकनी और चमकदार बनावट है, जो इसे एक आलीशान और शानदार लुक देती है।

पीला रंग शुभ माना जाता है, और ये खुशी, समृद्धि और प्रकाश का प्रतीक है।

कांजीवरम साड़ी

भारतीय साड़ियों में सबसे खास होती है कांजीवरम साड़ी, जो विशेष रूप से तमिलनाडु राज्य से जुड़ी हुई है।

ये साड़ी अपनी समृद्धता, शाही लुक और बेहतरीन हाथ से कढ़ाई के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

कांजीवरम साड़ी की पहचान इसके भारी सिल्क और आकर्षक डिजाइन के साथ होती है।

ऐसे में आप पोंगल के मौके पर खूबसूरत कांजीवरम साड़ी पहन सकती हैं।

हैवी बॉर्डर साड़ी

अगर सिल्क की साड़ी नहीं पहननी तो आपके लिए इस तरह की हैवी बॉर्डर वाली साड़ी परफेक्ट रहेगी।

ऐसी साड़ी अगर लाल रंग की होगी तो देखने में कमाल की लगेगी।

इसके साथ अपने बालों में स्लीक बन बनाएं। स्लीक बन देखने में कमाल का लगता है, खासतौर पर अगर इसे साड़ी के साथ स्टाइल किया जाए तो।

हर 8 मिनट में एक महिला की हो रही है मौत, एम्स में करा सकती हैं फ्री में जांच

सर्वाइकल कैंसर की जांच जरूरी है क्योंकि यह कैंसर धीरे-धीरे विकसित होता है और शुरूआती बदलावों को जांच के जरिए आसानी से पकड़ा जा सकता है। पैप स्मीयर टेस्ट और एचपीवी टेस्ट कोशिकाओं में होने वाले असामान्य बदलावों को समय रहते पहचान लेती हैं। कैंसर का नाम सुनते ही मन में एक अजीब सा डर बन जाता है, हालांकि समय के साथ ये बीमारी काफी आम होती जा रही है। वैश्विक स्तर पर कैंसर के कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है, स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता जा रहा है। कैंसर को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या समझने की गलती न करें, ये बीमारी युवाओं के साथ-साथ अब बच्चों में भी तेज गति पकड़ती दिख रही है। जब बात महिलाओं में कैंसर के बढ़ते मामलों की होती है तो सबसे पहले दिमाग में ब्रेस्ट कैंसर का ख्याल आता है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि स्तन कैंसर के साथ-साथ महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। यह कैंसर गर्भाशय के निचले हिस्से यानी सर्विक्स में होता है, इसके लिए मन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वायरस

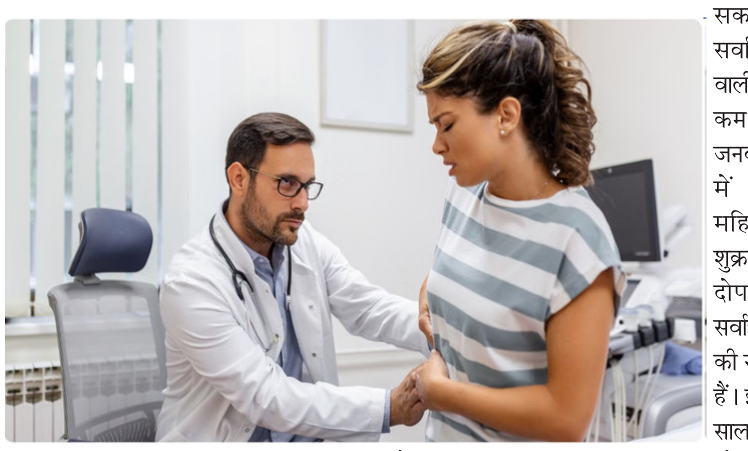

के संक्रमण को प्रमुख कारण माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, भारतीय महिलाओं में जागरूकता और इस कैंसर के बारे में जानकारी कम होने के कारण समय पर रोग का पता नहीं चल पाता है, जिसके कारण ये कैंसर और इससे होने वाले मौत के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इन्हीं चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) दिल्ली ने फ्री सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग शुरू की है। जनवरी को सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जाता है, इसके तहत 31 जनवरी तक महिलाएं फ्री में सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग यहां करा सकती हैं।

भारत में बढ़ रहा है सर्वाइकल कैंसर

आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर 8 मिनट में 1 महिला की मौत सर्वाइकल कैंसर के कारण हो जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर समय पर बचाव के उपाय, स्क्रीनिंग और इलाज हो जाए तो न सिर्फ इसे काफी हद तक रोका जा सकता है, बल्कि सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों के खतरे को भी कम किया जा सकता है। जनवरी के पूरे महीने एम्स में 30-65 साल की महिलाएं सोमवार से शुक्रवार (सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक) सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर की स्क्रीनिंग करवा सकती हैं। इसके साथ ही 9-14 साल की लड़कियों के लिए सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन शनिवार को (सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक) न्यू बिल्डिंग में उपलब्ध है।

क्या कहती हैं विशेषज्ञ?

एम्स दिल्ली में प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पल्लवी शुक्ला कहती हैं, यह एक ऐसा कैंसर है जिसे पूरी तरह से रोका जा सकता है। महिलाओं को किसी भी उम्र में अपनी सेहत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हमें भारत से सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने के लिए पूरी कोशिश करनी चाहिए। समय पर जांच इसके लिए सबसे जरूरी कदम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सर्वाइकल कैंसर धीरे-धीरे विकसित होता है इसलिए समय रहते इसकी जांच जरूरी है। टेस्ट के माध्यम से शुरूआती बदलावों को आसानी से पकड़ा जा सकता है। पैप स्मीयर टेस्ट और एचपीवी टेस्ट जैसी जांचें कोशिकाओं में होने वाले असामान्य बदलावों का आसानी से पता लगाने वाली हो सकती हैं।

सर्वाइकल कैंसर और इसके जोखिम

सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय के निचले हिस्से (गर्भाशय ग्रीवा) में होता है। भारत में यह महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है।

भारत में हर साल 1.23 लाख से ज्यादा महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित होती हैं।

एचपीवी का संक्रमण आमतौर पर यौन संपर्क से फैलता है। अगर समय पर इसका इलाज न हो तो यह गर्भाशय की कोशिकाओं को कैंसर में बदल देता है।

बहुत कम उम्र में गर्भधारण करने वाली महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

जिन महिलाओं की इम्युनिटी कमजोर होती है, उनमें भी एचपीवी संक्रमण होने का जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

समय पर जांच जरूरी

महिलाओं को चाहिए कि वे 21 वर्ष की उम्र के बाद नियमित रूप से सर्वाइकल कैंसर की जांच कराएं, भले ही कोई लक्षण न हों।

एचपीवी वैक्सीन भी इस कैंसर से बचाव में अहम भूमिका निभाती है। इसके लिए अपने डॉक्टर की सलाह लें।

सही जानकारी, समय पर जांच और सतर्कता से सर्वाइकल कैंसर को बढ़ने से रोका जा सकता है।

गाय-भैंस के ब्याने के बाद मिलने वाली खीस के फायदे, पाचन से लेकर डायबिटीज करें

कई बार गलत खान-पान और असंतुलित आहार की वजह से हमारी सेहत पर बुरा असर पड़ता है और पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। ऐसे में अगर हम सही और पौष्टिक चीजों का सेवन करें, तो यह हमारी सेहत को मजबूत बना सकती हैं। इसी तरह, कमजोर पाचन को सुधारने और शरीर को पोषण देने में गाय या भैंस के ब्याने के बाद मिलने वाली खीस बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसमें सामान्य दूध की तुलना में कई गुना अधिक प्रोटीन, विटामिन ए और एंटीबॉडी पाए जाते हैं। खीस पाचन सुधारती

है, इम्युनिटी बढ़ाती है और दस्त व डायबिटीज जैसी समस्याओं में भी फायदेमंद है।

गाय या भैंस के दूध से पहले मिलता है

खीस, जिसे कोलेस्ट्रम भी कहा जाता है, गाय या भैंस के पहले दूध से मिलता है। अक्सर लोग इसके फायदों से अनजान रहते हैं, लेकिन आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही इसे स्वास्थ्य के लिए अमृत मानते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए रामबाण है, जिनका पाचन तंत्र कमजोर है। इसमें मौजूद एंटीबॉडी और प्रोटीन न केवल मेटाबॉलिज्म को दुरुस्त करते हैं, बल्कि दस्त जैसी पुरानी समस्याओं से भी राहत दिलाते हैं।

खीस के फायदे

डॉक्टर के अनुसार, खीस में सामान्य दूध की तुलना में 4-5 गुना अधिक प्रोटीन और 10-15 गुना ज्यादा विटामिन ए पाया जाता है। इसमें लेक्टोफेरिन जैसे महत्वपूर्ण तत्व होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। इसके अलावा, खीस में मैग्नीशियम सहित कई दुर्लभ खनिज और हार्मोन बनाने वाले पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। अधिक एंटीबॉडी होने की वजह से यह शरीर को संक्रमण से बचाता है और रक्त में इंसुलिन के स्तर को संतुलित कर मधुमेह रोगियों को भी लाभ पहुंचाता है।

खीस कैसे तैयार करें

गाय या भैंस के पहले दूध को एक बर्तन में लेकर धीमी आंच पर पकाएं।

स्वाद के लिए आप इसमें चीनी या गुड़ मिला सकते हैं। डायबिटीज के मरीज इसे बिना चीनी ही लें।

खुशबू और स्वाद बढ़ाने के लिए इलायची पाउडर डाल सकते हैं।

जैसे ही दूध उबलने लगे, यह पनीर की तरह दानेदार हो जाएगा।

इसके बाद आप खीस को हल्का गर्म या ठंडा करके खा सकते हैं।

किन लोगों को खीस नहीं खाना चाहिए?

हालांकि खीस सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है, लेकिन कुछ लोगों को इसके सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए।

लैक्टोज इन्टॉलरेंस वाले लोगः खीस में थोड़ी मात्रा में लैक्टोज मौजूद होती है, जिससे कुछ लोगों को पेट में गैस या दस्त की समस्या हो सकती है।

बच्चों या शिशुओं में डॉक्टर की सलाह के बिनाः नवजात या छोटे बच्चों को खीस देने से पहले हमेशा डॉक्टर की सलाह लें।

गंभीर डायबिटीज रोगीः डायबिटीज वाले लोग खीस में अगर चीनी या अन्य स्वीटनर मिलाएं तो यह नुकसानदेह हो सकता है।

दूध या डेयरी से एलर्जी वाले लोगः जो लोग दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स से एलर्जिक हैं, उन्हें खीस खाने से बचना चाहिए।

हड्डियों के अलावा आपके बाल और मूड का भी ख्याल रखता है विटामिन डी3 सप्लीमेंट्स

लगातार बालों का झड़ना, लगातार थकान, और पेट की परेशानिया अक्सर अलग-अलग समस्याएं मानी जाती हैं - लेकिन कई मामलों में, ये एक ही अनदेखी कमी के कारण हो सकती हैं। विटामिन डी के कम लेवल को तेजी से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़ा जा रहा है, मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि विटामिन डी एक साधारण पोषक तत्व के बजाय हार्मोन की तरह काम करता है, जो सूजन, एनर्जी रेगुलेशन, पेट

की सेहत और यहां तक कि बालों की सेहत को भी प्रभावित करता है। अगर आप 3 महीने तक नियमित रूप से विटामिन डी3 सप्लीमेंट लेते हैं, तो शरीर में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, विटामिन डी3 सिर्फ हड्डियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी सेहत के लिए बेहद जरूरी है।

न्यूट्रिशनिस्ट ने बताए विटामिन डी3 लेने के 5 बड़े फायदे

हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। विटामिन डी3 कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। हड्डियों का दर्द कम होता है।मांसपेशियों की कमजोरी घटती है, ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम होता है। खासतौर पर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह बहुत फायदेमंद है।

इम्युनिटी सिस्टम मजबूत होता हैः विटामिन डी3 शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। बार-बार होने वाली सर्दी-खांसी से राहत मिलती है। इंफेक्शन से लड़ने की ताकत बढ़ती है

थकान और कमजोरी में सुधारः अगर आपको जल्दी थकान, शरीर में दर्द, सुस्ती महसूस होती है, तो विटामिन डी3 की कमी वजह हो सकती है। 3 महीने के नियमित सेवन से एनर्जी लेवल बेहतर हो सकता है।

मूड और मेंटल हेल्थ बेहतर होती हैः न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार विटामिन डी3 तनाव कम करने में मदद करता है। डिप्रेशन के लक्षणों को घटा सकता है। नींद की गुणवत्ता सुधारता है

बालों में डालें जानः विटामिन डी 3 की कमी बालों के झड़ने के आम कारणों में से एक है, और सप्लीमेंट लेने से बालों का झड़ना कम हो सकता है।

विधवा महिला से हैवानियत, मकान मालिक पर नशीली कॉफी पिलाकर दुष्कर्म

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में ईश्वरीखेड़ा में किराये पर रह रही एक विधवा महिला के साथ दिल दहला देने वाली हैवानियत का मामला सामने आया है। आरोप है कि मकान मालिक ने महिला को नशीली कॉफी पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए। इसके बाद आरोपी ने उन्हें वायरल करने की धमकी देकर करीब 15 दिनों तक महिला को ब्लैकमेल किया और जबरन दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता के अनुसार, घटना करीब 28 दिन पहले शुरू हुई। लगातार प्रताड़ना से तंग आकर वह किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलकर अपने मायके निगोहां पहुंची और पूरी आपबीती अपने माता-पिता को बताई। इसके बाद उसके पिता ने ईश्वरीखेड़ा स्थित किराये का कमरा खाली करा दिया। इस बात की जानकारी मिलते ही आरोपी ने महिला को फोन कर अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी और मिलने के लिए दबाव बनाया। आरोप है कि आरोपी महिला को अपनी बाइक से पीजीआई थाना क्षेत्र के एक होटल ले गया, जहां उसके साथ प्राकृतिक और अप्राकृतिक दुष्कर्म किया गया।

जय शाह ने हिटमैन को बताया 'टीम इंडिया का कप्तान', रोहित-रितिका और शाहरुख खान की प्रतिक्रिया ने जीता दिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जय शाह के 'इंडियन कैप्टन' कहने पर रोहित की मासूम और गर्व भरी प्रतिक्रिया ने फैंस का दिल जीता। भले ही वे वर्तमान कप्तान न हों, लेकिन टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जैसी दो क्ळउ ट्रॉफियों के कारण उनका कप्तानी विरासत भारतीय क्रिकेट में हमेशा याद की जाएगी। रोहित अब वनडे फॉर्मेट पर ध्यान दे रहे हैं, जबकि शुभमन गिल भविष्य के कप्तान के रूप में तैयार हो रहे हैं। टीम इंडिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक हालिया इवेंट के दौरान चर्चा में आ गए जब बीसीसीआई के पूर्व सचिव और मौजूदा आईसीसी

अध्यक्ष जय शाह ने उन्हें 'भारतीय कप्तान' कहकर संबोधित किया। इस संबोधन को सुनते ही रोहित शर्मा पहले हैरान हुए और फिर मुस्कुराकर शानदार प्रतिक्रिया दी। यह पूरा पल कैमरों में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। क्यों खास था यह पल? दरअसल, अक्तूबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को भारत का वनडे कप्तान बनाया गया था। उससे पहले वे टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके थे और दोनों फॉर्मेट्स की कप्तानी क्रमशः सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल को सौंपी जा चुकी थी। ऐसे में रोहित को भारतीय कप्तान कहा जाना काफी प्रतीकात्मक था और यही कारण था कि उनकी प्रतिक्रिया को यादगार पल बताया जा रहा है। जय शाह ने क्या कहा? नीता अंबानी द्वारा आयोजित 'यूनाइटेड इन ट्रायंफ' नाम के इवेंट में जय शाह ने कहा, 'हमारे कप्तान यहां बैठे हैं। मैं उन्हें कप्तान ही कहूंगा, क्योंकि उन्होंने टीम को दो आईसीसी ट्रॉफियां दिलाई हैं। इसके बाद उन्होंने कहा, '2023 विश्व कप में 10 लगातार जीत के बाद हम कप नहीं जीत सके, लेकिन दिल जरूर जीत लिए थे। मैंने 2024 फरवरी में कहा था कि अगले वर्ल्ड कप में हम कप भी जीतेंगे और दिल भी और यही हुआ।' शाहरुख-वरुण भी मुस्कुराए उनके इस बयान के बाद पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा और रोहित उनके बगल में बैठीं उनकी पत्नी रितिका भी गर्व से मुस्कुराते दिखाई दिए। वहीं, रोहित की दूसरी तरफ बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान भी हिटमैन की तरफ देखकर मुस्कुरा दिए। एक्टर वरुण धवन और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत भी अपनी मुस्कुराहट नहीं रोक सकीं। रोहित की कप्तानी में उपलब्धियां रोहित शर्मा ने दिसंबर 2021 में भारत की वनडे कप्तानी स्थायी रूप से संभाली और 56 मैचों में कप्तानी की। उनके नेतृत्व में भारत ने 42 मैच जीते और 12 हारे। एक मैच टाई रहा और एक मैच का कोई नतीजा नहीं निकला। उन्होंने भारत को 2018 और 2023 में एशिया कप जिताया, 2023 वनडे विश्व कप में फाइनल तक पहुंचाया और फिर दो साल लगातार आईसीसी ट्रॉफी दिलाई। इनमें 2024 टी20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं। ळ20क में सबसे सफल कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में रोहित शर्मा सबसे सफल कप्तान माने जाते हैं। उनके रिकॉर्ड शानदार हैं। हिटमैन ने 62 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तानी की और 49 जीते। उनका जीत प्रतिशत 79.03 का है। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में किसी भी कप्तान का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड है (न्यूनतम 53 मैचों में कप्तानी करने वाले खिलाड़ियों में)। 38 वर्षीय रोहित शर्मा अब वनडे फॉर्मेट पर केंद्रित हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। वहीं शुभमन गिल को 2027 विश्व कप तक वनडे कप्तानी संभालने का मौका दिया जा रहा है ताकि वे इस भूमिका में पूरी तरह तैयार हो सकें।

डब्ल्यूपीएल 2026 के दूसरे मैच में यूपी का सामना गुजरात से, शुरूआती लय हासिल करने पर नजरें

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग के दूसरे मुकाबले में शनिवार को यूपी वॉरियर्स का सामना गुजरात जाएंट्स से होगा। यूपी की कमान मेग लैनिंग के हाथों में हैं, जबकि गुजरात की कप्तान एश्ले गार्डनर हैं। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में शनिवार को पहला डबल हेडर मुकाबला खेला जाएगा। दोपहर साढ़े तीन

बजे से यूपी वॉरियर्स का सामना गुजरात जाएंट्स से होगा। दोनों ही टीमें सत्र की शुरूआत जीत से करना चाहेंगी और अपने पहले खिताब की तलाश में अभियान की शुरूआत करेंगी। यूपी वॉरियर्स नई कप्तान मेग लैनिंग पर बहुत अधिक निर्भर रहेगी क्योंकि उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन फाइनल में पहुंची थी। पिछले प्रदर्शन में सुधार लाना चाहेगी यूपी टीम पिछले तीन सत्र में तीसरे, चौथे और फिर तालिका में निचले स्थान पर रही थी और उसकी निगाहें इस लगातार गिरावट को रोकने की है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के आने से टीम में स्पष्टता आने की उम्मीद है। टीम पिछले साल कप्तान एलिसा हीली की गैरमौजूदगी में संतुलन और निरंतरता के लिए संघर्ष कर रही थी। हालांकि वॉरियर्स के टीम संयोजन को लेकर सवाल बने हुए हैं, विशेषकर विकेटकीपिंग विभाग में जिसमें शिप्रा गिरी एकमात्र विशेषज्ञ विकल्प हैं। शीर्ष पर फोबे लिचफील्ड लचीलापन प्रदान करती हैं और उनके किरण नवगिरे के साथ साझेदारी करने की संभावना है। लैनिंग और हरलीन देओल की मौजूदगी वाला मध्यक्रम प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने में महत्वपूर्ण होगा। सोफी एक्लेस्टोन, दीप्ति शर्मा और अनुभवी शिखा पांडे और क्रांति गौड़ जैसी खिलाड़ियों के साथ वॉरियर्स के पास ताकतवर गेंदबाजी आक्रमण है जिसमें विश्व स्तरीय स्पिन, नयी गेंद से गेंदबाजी का अनुभव और अंतिम ओवरों में विशेज्ञता का मिश्रण है। गुजरात के पास विदेशी खिलाड़ियों का मजबूत कोर दूसरी ओर गुजरात जाएंट्स दो निराशाजनक सत्र के बाद पिछली बार प्लेऑफ में पहुंची थी और उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। एश्ले गार्डनर की अगुआई वाली जाएंट्स के पास मजबूत विदेशी खिलाड़ियों का कोर है लेकिन एक प्रमुख भारतीय बल्लेबाज की कमी है।

डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना आरसीबी से होगा

हरमनप्रीत-मंधाना होंगी आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच शुक्रवार को मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के जीत के साथ सत्र की शुरूआत करना चाहेंगी। आइए जानते कि आप ये मुकाबला कब और कहां देख सकेंगे। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरूआत शुक्रवार से हो रही है। टूनार्मेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी

बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं। आरसीबी की टीम में स्टार खिलाड़ियों की भरमार आरसीबी की बात करें तो उसके पास मंधाना के अलावा एलिस पेरी जैसी मंझी हुई खिलाड़ी है। इन दोनों पर टीम को अच्छी शुरूआत दिलाने का जिम्मा होगा। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल, ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस और दक्षिण अफ्रीका की जुझारू ऑलराउंडर नादिन डी क्लर्क बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगी। आरसीबी के पास ऋचा घोष के रूप में अदद विकेटकीपर और फिनिशर है। भारत की अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्रकार और इंग्लैंड की लॉरेन बेल आरसीबी की प्रमुख तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। उसके पास इंग्लैंड की लिन्से स्मिथ, भारत की राधा यादव और श्रेयांका पाटिल जैसी अच्छी स्पिन गेंदबाज भी हैं। दोनों टीमें इस प्रकार है... मुंबई इंडियंसः हीली मैथ्यूज, अमनजोत कौर, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), सजीवन सजना, संस्कृति गुप्ता, पूनम खेमनार, एमेलिया केर, नैत साइवर ब्रंट, निकोला कैरी, नाला रेड्डी, त्रिवेणी वशिष्ठ, जी कमालिनी (विकेटकीपर), राहिला फिरडोस (विकेटकीपर), मिली इलिंगवर्थ, साइका इशाक, शबनिम इस्माइल। आरसीबीः दयालन हेमलता, स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वोल, नादिन डी क्लर्क, ग्रेस हैरिस, गौतमी नाइक, श्रेयांका पाटिल, प्रेमा रावत, पूजा वस्त्रकार, सायली सत्घरे, ऋचा घोष (विकेटकीपर), कुमार प्रत्यूशा (विकेटकीपर), लॉरेन वेल, अरुंधति रेड्डी, लिन्से स्मिथ, राधा यादव।

आरबीआई गवर्नर का बैंकों को संदेश; बोले- नियामकीय कार्रवाई का मकसद किसी को सजा देना नहीं, सुधार करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंकों को साफ संदेश दिया है कि केंद्रीय बैंक नियामक के तौर पर एक इंस्पेक्टर नहीं, बल्कि पार्टनर है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने आगे क्या कहा पढ़ें। बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक और सहयोग भरे नजरिए की वकालत की है। शुक्रवार को मुंबई में 'कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स' के तीसरे वार्षिक वैश्विक सम्मेलन में बोलते हुए, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने साफ किया कि नियामक की

ओर से की गई कार्रवाई सबसे प्रभावी तब होती है जब बैंक और अन्य विनियमित संस्थाएं पर्यवेक्षकों को 'गलतियां निकालने वाले इंस्पेक्टर' नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में देखें। आरबीआई गवर्नर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय वित्तीय प्रणाली में बैंकों की भूमिका वित्तीय मध्यस्थता और समावेशी विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। गवर्नर ने जोर देकर कहा कि भारत जैसे देश के लिए नियामक और बैंकों के बीच सहयोग वाले नजरिए की केवल जरूरत नहीं है, बल्कि यह अनिवार्य है। कार्रवाई का उद्देश्य दंड देना नहीं, सुधार करना आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि अक्सर केंद्रीय बैंक की ओर से की जाने वाली सख्त कार्रवाई के बारे में बाजार में आशंकाएं बनी रहती हैं। इस पर स्थिति साफ करते हुए गवर्नर ने कहा कि रिजर्व बैंक की ओर से की जाने वाली प्रवर्तन कार्रवाइयों का मकसद आमतौर पर बैंकों को सजा देना नहीं होता है। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य इरादा सुधार करना होता है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, इन कार्रवाइयों के दो मुख्य उद्देश्य होते हैं। पहला जिन संस्थाओं के खिलाफ कदम उठाए गए हैं, उन्हें संकेत देना और दूसरा, अन्य संस्थाओं को स्वीकार्य मानकों और नियामक की अपेक्षाओं के प्रति जागरूक करना। पर्यवेक्षण से नीतियों में सुधार गवर्नर के अनुसार, आरबीआई मानता है कि पर्यवेक्षण का काम केवल मौजूदा नियमों को लागू करना नहीं है, बल्कि यह नियामकीय कमी और गड़बड़ियों को पहचानकर नियमों को और बेहतर बनाने में भी मदद करता है। गवर्नर ने उदाहरण देते हुए बताया कि पिछले साल को-लैंडिंग और सोने-चांदी के आभूषणों के बदले ऋणों से जुड़े निदेशों में किए गए संशोधन इसी प्रक्रिया का परिणाम थे। एक ही टीम के सदस्य हैं नियामक और बैंक आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि नियामक और विनियमित संस्थाएं (जैसे बैंक, एनबीएफसी इत्यादि) विरोधी खेमे में नहीं हैं, बल्कि एक ही टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, ₹हम राष्ट्र के विकास में भागीदार हैं। नियामक और विनियमित संस्थाओं- दोनों का उद्देश्य एक ही है। यह उद्देश्य है- लंबे समय में वित्तीय प्रणाली को विकसित करना, इसमें स्थिरता लाना, अखंडता व विश्वसनीयता सुनिश्चित करना₹। मल्होत्रा ने यह भी कहा कि सफलता का पैमाना केवल स्थिरता तक सीमित नहीं है, बल्कि वित्तीय क्षेत्र में गतिशीलता और जीवंतता बनी रहनी जरूरी है। इसलिए, विकास और प्रणालीगत स्थिरता के बीच, जिम्मेदार नवाचार और उपभोक्ता संरक्षण के बीच सही संतुलन बनाना जरूरी है। बैंकों को 'टिक-बॉक्स' संस्कृति से ऊपर उठने की जरूरत डिजिटल युग में बदलते जोखिमों के प्रति बैंकों को आगाह करते हुए गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि संस्थाओं को केवल ₹टिक-बॉक्स आधारित अनुपालन संस्कृति₹ का पालन करने से बचना चाहिए। संस्थाओं की ओर से विनियमन के सार और उसकी भावना को आत्मसात करने की आवश्यकता है। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है जहां नए मॉडल, डेटा और डिजिटल डिलीवरी जोखिम के नए रूप पैदा कर रहे हैं। आरबीआई ने साफ किया है कि पर्यवेक्षी कार्रवाई और प्रवर्तन को विनियमन के सबसे दृश्यमान पहलू के रूप में देखा जाता है, लेकिन इसे एक स्टैंडअलोन प्रतिक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि पर्यवेक्षी उपकरणों के रूप में देखा जाना चाहिए। यह दृष्टिकोण न केवल बैंकों के परिचालन को आसान बनाएगा, बल्कि भारत की वित्तीय प्रणाली को लंबे समय में अधिक स्थिर बनाकर इसे विकास की ओर ले जाएगा।

अलग-अलग देशों से व्यापार समझौतों का आभूषण उद्योग को मिला फायदा, जानकार क्या कह रहे समझें

मुंबई (एजेंसी)। देश के रत्न और आभूषण का निर्यात अमेरिकी टैरिफ की वजह से प्रभावित हुआ है, जिसकी वजह से 30 प्रतिशत के निर्यात गिरा है। इसके बावजूद भारत द्वारा नए देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों की वजह से भारत का रत्न और आभूषण निर्यात 2025 में स्थिर बना रहा। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपी) का कहना

अमेरिका के टैरिफ के दबाव और चीन से कमजोर मांग के बाद भी मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के समर्थन की वजह से भारत का रत्न और आभूषण निर्यात 2025 में स्थिर बना रहा। नवंबर तक निर्यात 19 अरब डॉलर रहा। जीजेईपीसी के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने बताया कि हमें नए बाजारों की वजह से निर्यात को 19 अरब डॉलर का बनाए रखा है। इसमें एफटीए से उद्योग को उल्लेखनीय समर्थन मिला है। नए मार्केट ने चीन की मंदी की भरपाई की उन्होंने बताया कि चीन में आर्थिक मंदी देखी गई है, लेकिन डाइवर्सिफिकेशन से इसका असर कम किया गया है। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पश्चिम एशइया, यूरोप और अफ्रीका जैसे देशों से चीन की मंदी की भरपाई की है। यूनाइटेड अरब अमीरात, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और ओमान जैसे देशों में एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ रहा है, और इस साल यूनाइटेड अरब अमीरात को शिपमेंट में लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका से निर्यात 30 प्रतिशत से अधिक गिरा उन्होंने बताया कि टैरिफ बढ़ने के बाद अमेरिकी बाजारों में हमारा निर्यात लगभग 30 प्रतिशत से अधिक कम हुआ है। भंसाली ने कहा कि अमेरिका और चीन में अनिश्चितता के बीच 2026 मुश्किल हो सकता है, लेकिन एफटीए से मार्केट डाइवर्सिफिकेशन और पॉलिसी सपोर्ट इस इलाके की एक्सपोर्ट स्ट्रैटेजी के लिए जरूरी बने रहेंगे। यह कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका हमारे लिए काफी बढ़ा बाजार है और उसे हम खोना नहीं चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमें उम्मींद है कि जल्द ही व्यापार वार्ता आगे बढ़ेगी। ओमान भारत के लिए नया व्यापार हब ओमान एक मैन्युफैक्चरिंग और ट्रेडिंग हब के तौर पर उभर रहा है, जिसे अफ्रीका और जीसीसी ।(सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, कुवैत, बहरीन) के आसपास के देशों के लिए गेटवे के तौर पर देखा जा रहा है। भंसाली ने कहा कि जमीन, मन रिसोर्स और लेबर वीजा की मदद से फैक्ट्री लगाने में दिलचस्पी बढ़ रही है। इसके साथ कई और श्रेणियों जैसे कि पॉलिश किए गए हीरे और सोने के आभूषणों की मजबूत मांग बढ़ी है।

हफ्ते के आखिरी दिन बाजार में गिरावट जारी; सेंसेक्स 605 अंक टूटा, निफ्टी 25700 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। इस क्षेत्र में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, तेल और गैस, आईटी, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम और धातु क्षेत्र मजबूत बने रहे, जबकि रियल एस्टेट, निजी बैंक, वित्तीय सेवाएं, एफएमसीजी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में कमजोरी देखी गई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। शुरूआती कारोबार में थोड़ी तेजी के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 604.72 अंक या 0.72 प्रतिशत गिरकर 83,576.24 अंक पर बंद हुआ। दिन भर में इसमें 778.68 अंक या 0.92 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 83,402.28 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों

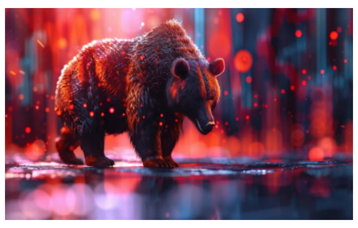

वाला एनएसई निफ्टी 193.55 अंक या 0.75 प्रतिशत गिरकर 25,683.30 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 26 पैसे गिरकर 90.16 (अस्थायी) पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, अदानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मा और बजाज फाइनेंस सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। भारत-अमेरिका टैरिफ वार्ता को लेकर अनिश्चितता ने डाला असर जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा कि अमेरिका-भारत टैरिफ वार्ता को लेकर अनिश्चितता और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच घरेलू बाजार में जोखिम से बचने की भावना तेज हो गई है। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ संबंधी नए बयानों के बाद वैश्विक व्यापार अनिश्चितता बढ़ने के कारण भारतीय शेयर बाजार पूरे सप्ताह लगातार दबाव में रहे। यूरोपीय बाजारों में दिखी तेजी एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए। यूरोप के बाजारों में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। गुरुवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 62.10 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 62.10 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया।

'रियल एस्टेट से जुड़ी पॉलिसी सुधरे, होम लोन की लागत घटे', जानिए सेक्टर को बजट में क्या चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। बजट 2026 में सरकार को रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़ी पॉलिसी पर नए सिरे से ध्यान देने की जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे आवास की मांग को पुनर्जीवित करने और रुके हुए प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उद्योग का कहना है कि बढ़ती हुई जमीनों की कीमतों के साथ ही निर्माण लागत की वजह से महानगरों में आवासीय मांग प्रभावित हो रही है। रेपो रेट में कटौती से आवासीय बाजार को सहारा मिला नारेडको महाराष्ट्र की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और नाहर ग्रुप की वाइस चेयरपर्सन मंजू याज्ञिक ने कहा रियल एस्टेट सेक्टर को बजट

2026 में ऐसे ठोस उपायों की उम्मींद है, जो घर के स्वामित्व को सार्थक रूप से बढ़ावा दे और आवासीय इकोसिस्टम को मजबूत करें। विशेष रूप से पहली बार घर खरीदने वाले और मध्यम आय वर्ग के खरीदार बढ़ती आवासीय कीमतों और होम लोन की लागत से लगातार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, हाल ही में आरबीआई द्वारा रेपो रेट में कटौती ने आवासीय बाजार के लिए सकरात्मक संकेत दिया है और किफायती आवास बाजार की धारणा में सुधार भी हुआ है। ऐसे में बजट के जरिए जरूरी वित्तीय समर्थन देकर इस गति को बढ़ाया जा सकता है। पहली बार घर खरीदने वालों और मध्यमवर्ग पर हो फोकस याज्ञिक का कहना है, इस बजट से एक प्रमुख अपेक्षा होम लोन की प्रभावी लागत को कम करने पर नए सिरे से ध्यान देने की है। साथ ही बढ़ी हुई ब्याज सब्सिडी, लंबे ओर अधिक लचीले लोन टेन्योर और पहली बार घर खरीदने वालों को प्रोत्साहित करने, नीतिगत ब्याज दरों में कटौती से वास्तविक मासिक ईएमआई को राहत में बदलने में मदद कर सकते हैं। खासकर बड़े शहरों में जहां आवास की वहन क्षमता अब भी चुनौती बनी हुई है।

चांदी की कीमतों में 5900 रुपये का उछाल, सोने में भी तेजी; जानें सराफा बाजार का पूरा हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगातार दो सत्रों में भारी मुनाफावसूली के बाद शुक्रवार को कमोडिटी बाजार में चांदी की कीमतों में फिर से जोरदार वापसी दिखी। वैल्यू बाइंग (निचले स्तर पर की गई खरीदारी) के कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी की वायदा कीमतों में 2 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया। वहीं, वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के बीच सोने की कीमतों में भी तेजी दिखी। चांदी में लौटी चमक, 2.5 लाख रुपये के करीब भाव शुक्रवार

को एमसीएक्स पर मार्च डिलीवरी वाली चांदी का वायदा भाव 5,898 रुपये या 2.42 प्रतिशत की उछाल के साथ 2,49,222 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले गुरुवार को चांदी 2,43,324 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। यह तेजी महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि पिछले दो कारोबारी सत्रों में चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई थी। चांदी ने मंगलवार को 2,58,811 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से 15,487 रुपये या 6 प्रतिशत तक नीचे गिरी थी। शुक्रवार की खरीदारी ने इस गिरावट को काफी हद तक पाट दिया है। सोने की कीमतों में भी तेजी चांदी के साथ-साथ सोने में भी तेजी दिखी। एमसीएक्स पर फरवरी कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 783 रुपये या 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,38,525 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मजबूती का रुख रहा। कॉमेक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना 21.74 डॉलर या 0.49 प्रतिशत बढ़कर 4,482.44 डॉलर प्रति औंस हो गया।

अलग-अलग देशों से व्यापार समझौतों का आभूषण उद्योग को मिला फायदा, जानकार क्या कह रहे समझें

मुंबई (एजेंसी)। देश के रत्न और आभूषण का निर्यात अमेरिकी टैरिफ की वजह से प्रभावित हुआ है, जिसकी वजह से 30 प्रतिशत के निर्यात गिरा है। इसके बावजूद भारत द्वारा नए देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों की वजह से भारत का रत्न और आभूषण निर्यात 2025 में स्थिर बना रहा। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपी) का कहना अमेरिका के टैरिफ के दबाव और चीन से कमजोर मांग के बाद भी मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के समर्थन की वजह से भारत का रत्न और आभूषण निर्यात 2025 में स्थिर बना रहा। नवंबर तक निर्यात 19 अरब डॉलर रहा। जीजेईपीसी के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने बताया कि हमें नए बाजारों की वजह से निर्यात को 19 अरब डॉलर का बनाए रखा है। इसमें एफटीए से उद्योग को उल्लेखनीय समर्थन मिला है। नए मार्केट ने चीन की मंदी की भरपाई की उन्होंने बताया कि चीन में आर्थिक मंदी देखी गई है।

नवलगढ़ में इस फिल्म की शूटिंग करने पहुंचीं तापसी पन्नू

खाकी वर्दी में दिखा रौबदार अंदाज, सेट से तस्वीरें लीक

अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में नवलगढ़ पहुंची हैं। यहां सेट से उनकी फोटोज लीक हुई हैं, जिनमें वह पुलिस ऑफिसर के दमदार लुक में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री तापसी पन्नू इस वक्त राजस्थान के झुंझुनू जिले के नवलगढ़ में हैं। वे यहां अपनी फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में पहुंची हैं। सेट से एक्ट्रेस की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वे खाकी वर्दी पहने दिख रही हैं। पुलिस ऑफिसर के गेटअप में तापसी काफी रौबदार अंदाज में नजर आ रही हैं। बता दें कि तापसी का यह लुक फिल्म 'घूंघट' का है। पुलिस ऑफिसर के रोल में दिखेंगी तापसी अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी फिल्म 'घूंघट' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वे खाकी वर्दी पहने नजर आएंगी। तापसी इन दिनों नवलगढ़ में फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। सेट से सामने आई तस्वीरों में अभिनेत्री तापसी महिला थानेदार के गेटअप में नजर आ रही हैं। तापसी की यह फिल्म अनुपम सिन्हा और मकबूल खान के निर्देशन में बन रही है। स्कूल में सजाया गया है सेट सेट से लीक हुई तस्वीरों और वीडियो में तापसी पन्नू महिला थानेदार की वर्दी पहने हुए नजर आर रही हैं। इस फिल्म की शूटिंग के लिए एक स्कूल में सेट तैयार किया गया है। स्कूल में ही पुलिस थाना तैयार किया गया है। फिल्म में पुलिस थाने का नाम बारवाड़ा रहेगा। तापसी को देखने उमड़ती है भीड़, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम तापसी पन्नू की शूटिंग को देखते हुए रोजाना लोकेशन के आसपास काफी लोगों की भीड़ अभिनेत्री को देखने के लिए उमड़ती है। हालांकि, वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं।

संजय लीला भंसाली के ऑफिस में रणबीर,आलिया, लव एंड वॉर के लिए हो रही है जबरदस्त गाने की तैयारी ?

नए साल 2026 की शुरूआत काफी उत्साह से भरी रही है, इसकी वजह यह है कि हाल ही में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को मुंबई के जुहू स्थित फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के ऑफिस में देखा गया। इस मुलाकात ने उनकी सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली 2026 की फिल्म लव एंड वॉर को लेकर अटकलों को और तेज कर दिया है कि आगे क्या खास होने वाला है। इस दौरान रणबीर और आलिया के साथ कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की मौजूदगी ने भी सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा और साथ ही सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं यह मीटिंग फिल्म के किसी

बड़े और ग्रैंड सॉन्ग की तैयारी से तो जुड़ी नहीं है। संजय लीला भंसाली अपनी शानदार विजुअल्स, यादगार म्यूजिक और शानदार कोरियोग्राफी के लिए जाने जाते हैं, और ऐसे में गणेश आचार्य की मौजूदगी ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। ग्रैंड सेट्स से लेकर बड़े लेवल के डांस नंबर्स तक, भंसाली की फिल्मों के गाने हमेशा खास रहे हैं, और अब फैंस जानना चाहते हैं कि क्या लव एंड वॉर में भी ऐसा ही कोई बड़ा नजारा देखने को मिलेगा। बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक बार फिर संजय लीला भंसाली के निर्देशन में साथ नजर आने वाले हैं। पहले की यादगार फिल्मों के बाद उनकी यह मुलाकात खास मानी जा रही है। निर्देशक के ऑफिस में उनका पहुंचना इस बात का इशारा है कि फिल्म को लेकर जरूरी क्रिएटिव बातचीत चल रही है और अब यह अपने अगले पड़ाव की ओर बढ़ रही है। हालांकि अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि फिल्म के लिए कुछ खास प्लान किया जा रहा है, शायद कोई दमदार या भावनाओं से भरा गाना, जो फिल्म का बड़ा और यादगार पल बन सकता है। हालांकि मेकर्स की तरफ से अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इन डेवलपमेंट्स ने सोशल मीडिया पर पहले ही हलचल मचा दी है।

तलाक के बाद जय से ली 5 करोड़ की एलिमनी? ट्रोलर्स की बातों से चढ़ा माही विज का पारा

कहा- ड्रामा पसंद नहीं

टीवी एक्ट्रेस माही विज और जय भानुशाली इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। इस मशहूर कपल ने कुछ दिनों पहले ही अपने तलाक की घोषणा की और अपने फैसले से सबको चौंका दिया। जय और माही शादी के पूरे 15 साल बाद अलग हो गए हैं। उनके तलाक के बाद लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। कई यूजर्स ने दावा किया कि जय अपनी पत्नी का सम्मान नहीं करते थे इस वजह से दोनों अलग हो गए। इतना ही नहीं, कई लोगों ने तो माही पर 5 करोड़ एलिमनी लेने का आरोप भी लगाया। इन सब बातों के बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और गलत खबरें फैलाने वालों पर भड़ास निकाली है। तलाक के बाद उठ रही तरह-तरह की बातों के बीच माही विज ने अपने व्लॉग में कहा- हां, मेरा और जय का तलाक हो गया है और हम अच्छे दोस्त हैं। हम दोनों को ड्रामा पसंद नहीं है, हमने साथ में ही तय किया था कि हम अपने-अपने रास्ते जाएं। एक्ट्रेस ने बताया कि वो कमेंट सेक्शन पढ़ रही हैं। लोग कह रहे हैं कि तलाक ही लेना था तो बच्चे क्यों लिए थे। इसका जवाब देते हुए माही ने कहा हमारा बैंक अकाउंट नहीं खाली हुआ है। हम बच्चों को देख सकते हैं और ऐसा नहीं है कि जय हाथ झाड़कर भाग गया है या मेरे पास कुछ नहीं है। तीनों बच्चे वैसे ही जिएंगे जैसे जीते आए थे। आगे माही ने बताया कि जय की फैमिली तारा से बहुत जुड़ी हुई है। जय के भाई-भाभी का मैसेज आता है कि हम अब भी मिलेंगे। जय मेरे स्पेस का सम्मान करते हैं और मैं उनके स्पेस का सम्मान करूंगी। माही विज ने कहा- कई लोग कह रहे हैं कि मैंने 5 करोड़ एलिमनी ली है। हमने तो कुछ किया नहीं है मगर आप लोग ये कमेंट करके गंदगी कर रहे हैं। जिसकी जरुरत नहीं है। बता दें, जय भानुशाली की माही विज से मुलाकात एक क्लब में हुई थी। तीन महीने के अंदर माही ने जय की जिंदगी बदल दी। 31 दिसंबर 2009 को जय ने उन्हें प्रपोज किया और 2010 में कपल ने शादी रचा ली। शादी के 9 साल बाद कपल ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया जिसका नाम उन्होंने तारा भानुशाली रखा, लेकिन अब शादी के 15 साल बाद ये कपल हमेशा के लिए अलग हो गया है।

'द राजा साब' की रिलीज के बीच पशुपतिनाथ पहुंचे संजय दत्त, एक्टर को देख खुश हुए फैंस

संजय दत्त इन दिनों अपनी फिल्मों 'धुरंधर' और 'द राजा साब' को लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसे में वह पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे हैं। संजय दत्त और प्रभास की अदाकारी से सजी फिल्म 'द राजा साब' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। ऐसे में संजय दत्त शुक्रवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे और पूजा की। एक्टर गुरुवार शाम को एक कसीनो के उद्घाटन में शामिल होने के लिए काठमांडू पहुंचे। उनकी यात्रा से फैंस खुश हो गए। पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे संजय दत्त एक्टर के पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचने के कई वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक्टर कड़ी सुरक्षा के बीच हैं। फैंस की भारी भीड़ के बीच वह मंदिर से बाहर निकलते दिख रहे हैं। संजय दत्त जब मंदिर से बाहर निकले, तो उनके गले में मालाएं थीं। खतरनाक किरदार में दिखे संजय दत्त संजय दत्त की यह यात्रा ऐसे मौके पर हुई जब उनकी फिल्म 'द राजा साब' रिलीज हुई है। संजय दत्त और प्रभास स्टारर 'द राजा साब' 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस फिल्म में एक्टर एक खतरनाक रोल में नजर आ रहे हैं। 'द राजा साब' के निर्देशक मारुति हैं। इसमें बोमन ईरानी, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार भी अहम किरदारों में हैं। 'धुरंधर' में नजर आए संजय दत्त इससे पहले संजय दत्त आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' में नजर आए थे। 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई इस फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन थीं। यह फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

ऑस्कर की जनरल एंट्री लिस्ट में पहुंचीं होम्बले फिल्म्स की दो बड़ी फिल्में

महावतार नरसिम्हा और कांतारा चौप्टर 1 ने दर्ज कराई मौजूदगी

भारत के प्रतिष्ठित और दूरदर्शी प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। साल 2025 में रिलीज हुई उसकी दो बहुचर्चित फिल्मों- महावतार नरसिम्हा और कांतारा चौप्टर 1- को ऑस्कर की जनरल एंट्री लिस्ट के लिए आधिकारिक तौर पर भेजा गया है। इस उपलब्धि के साथ भारतीय सिनेमा को एक बार

फिर वैश्विक मंच पर पहचान मिलने की उम्मीद जगी है।कांतारा चौप्टर 1 का निर्देशन अभिनेता-फिल्ममेकर ऋषभ शेट्टी ने किया है, जबकि महावतार नरसिम्हा को डायरेक्टर अश्विन कुमार ने पर्दे पर उतारा है। रिलीज के साथ ही दोनों फिल्मों ने दर्शकों का दिल जीत लिया और सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन किया। इन फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की, बल्कि अपनी दमदार कहानी, भारतीय संस्कृति से जुड़े गहरे भाव, भव्य विजुअल ट्रीटमेंट और आधुनिक तकनीक के बेहतरीन इस्तेमाल के लिए भी खूब तारीफें बटोरीं। ऑस्कर की जनरल एंट्री लिस्ट में आने के बाद अब इन दोनों फिल्मों पर कई बड़े अवॉर्ड कैटेगरी में डाले जाने को लेकर ध्यान दिया जाएगा। इनमें बेस्ट एक्टर, बेस्ट एक्ट्रेस, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट प्रोड्यूसर, बेस्ट स्टोरीध्राइटिंग, बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन और बेस्ट सिनेमैटोग्राफी जैसी कैटेगरी शामिल हैं। ऐसे में, आगे इन्हें शॉर्टलिस्ट किया जाएगा या नहीं, इसका फैसला अकादमी द्वारा किया जाएगा। खास बात यह है कि इस साल ऑस्कर जनरल एंट्री लिस्ट में शामिल कुल पाँच भारतीय फिल्मों में से दो फिल्में होम्बले फिल्म्स की हैं। जैसे-जैसे भारतीय सिनेमा दुनिया भर में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है, होम्बले फिल्म्स की यह उपलब्धि इंडस्ट्री की बढ़ती ग्लोबल मौजूदगी और क्रिएटिव ताकत को साफ दिखाती है। यह होम्बले फिल्म्स के साथ-साथ पूरे भारतीय सिनेमा के लिए एक सचमुच गर्व का पल है।

किंग का हिस्सा बनना सपना सच होने जैसा है..शाहरुख खान की फिल्म में काम करने को लेकर बोले अक्षय ओबेरॉय

एक्टर अक्षय ओबेरॉय जल्द ही सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में काम करते नजर आएंगे। उनके लिए यह सिर्फ एक साथ काम करने का अनुभव नहीं है, बल्कि यह उनके लिए एक बेहद निजी उपलब्धि और लंबे समय से देखे गए सपने के पूरा होने जैसा है। उनका कहना है कि शाहरुख की फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बहुत बड़ी बात है। ऐसे में हाल ही में एक्टर ने किंग खान के इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर अपने विचार शेयर किए हैं। अक्षय ओबेरॉय ने शाहरुख खान स्टारर किंग में काम करने के अनुभव को लेकर कहा, शाहरुख खान की फिल्म किंग का हिस्सा बनना सच में सपने के सच होने

जैसा है। एक एक्टर के रूप में मैं उनकी फिल्में देखते हुए बड़ा हुआ हूं, उनके सफर को करीब से देखा है और उनके काम से हमेशा प्रेरित रहा हूं। ऐसे में उनकी किसी फिल्म से जुड़ना अपने आप में बहुत खास है। अक्षय ओबेरॉय ने कहा, शाहरुख खान सिर्फ एक बड़े सितारे नहीं हैं, बल्कि अपने आप में एक संस्था हैं। उनका अनुशासन, उनकी सादगी और उनका पेशेवर रवैया बेमिसाल है। इतने सालों से दुनिया भर के लोगों के दिलों पर राज करने के बावजूद उनका जमीन से जुड़ा रहना वाकई हैरान करने वाला है। एक्टर ने कहा , शाहरुख के नेतृत्व वाली फिल्म पर काम करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह उनकी सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है और उस दुनिया का हिस्सा बनना, उस स्तर, ऊर्जा और मेहनत को करीब से देखना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव है। बीते कई दशकों में सिनेमा के लिए उनका योगदान अद्भुत रहा है और उस विरासत से किसी भी रूप में जुड़ पाना बेहद संतोष देने वाला है। यह आपको खुद से बेहतर करने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करता है। अक्षय ओबेरॉय के लिए किंग उनके करियर का एक अहम पड़ाव है। शाहरुख खान की फिल्म किंग से जुड़ाव ने उनके उस विश्वास को और मजबूत किया है कि मेहनत, लगन और अपने काम के प्रति सम्मान ही सफलता की असली कुंजी हैं, वे मूल्य जिन्हें शाहरुख खान आज भी सहज रूप से जीते हैं।

डब्ल्यूपीएल 2026 के दूसरे मैच में यूपी का सामना गुजरात से, शुरूआती लय हासिल करने पर नजरें

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग के दूसरे मुकाबले में शनिवार को यूपी वॉरियर्स का सामना गुजरात जाएंट्स से होगा। यूपी की कमान मेग लैनिंग के हाथों में हैं, जबकि गुजरात की कप्तान एश्ले गार्डनर हैं। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में शनिवार को पहला डबल हेडर मुकाबला खेला जाएगा। दोपहर साढ़े तीन बजे से यूपी वॉरियर्स का सामना गुजरात जाएंट्स से होगा। दोनों ही टीमें सत्र की शुरूआत जीत से करना चाहेंगी और अपने पहले खिताब की तलाश में अभियान की शुरूआत करेंगी। यूपी वॉरियर्स नई कप्तान मेग लैनिंग पर बहुत अधिक निर्भर रहेगी क्योंकि उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन फाइनल में पहुंची थी। पिछले प्रदर्शन में सुधार लाना चाहेगी यूपी टीम पिछले तीन सत्र में तीसरे, चौथे और फिर तालिका में निचले स्थान पर रही थी और उसकी निगाहें इस लगातार गिरावट को रोकने की है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के आने से टीम में स्पष्टता आने की उम्मीद है। टीम पिछले साल कप्तान एलिसा हीली की गैरमौजूदगी में संतुलन और निरंतरता के लिए संघर्ष कर रही थी। हालांकि वॉरियर्स के टीम संयोजन को लेकर सवाल बने हुए हैं, विशेषकर विकेटकीपिंग विभाग में जिसमें शिप्रा गिरी एकमात्र विशेषज्ञ विकल्प हैं।

पहले गोली चलाएंगे, बाद में सवाल

हमले की आशंका के बीच ट्रंप को डेनमार्क ने दी चेतावनी

कोपेनहेगन (एजेंसी)। डेनमार्क ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड पर हमला करता है तो उसके सैनिक पहले गोली चलाएंगे और बाद में सवाल करेंगे। ट्रंप के ग्रीनलैंड रणनीति पर यूरोप में तनाव बढ़ा है। डेनमार्क ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ग्रीनलैंड को लेकर एक कड़ी चेतावनी दी है। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि अगर किसी भी शक्ति द्वारा ग्रीनलैंड पर हमला किया जाता है तो उसके सैनिक पहले गोली चलाएंगे और बाद में सवाल पूछेंगे यानी बिना किसी अनुमति या आदेश का इंतजार किए तुरंत जवाबी कार्रवाई करेंगे। यह आदेश 1952 के ठंडे युद्ध के नियमों के तहत है, जो किसी भी विदेशी आक्रमण के जवाब में तुरंत प्रतिरोध की आवश्यकता को कहता है। डेनिश रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह 1952 का आदेश अब भी लागू है और इसका उद्देश्य किसी भी संभावित आक्रमण के मामले में तुरंत जवाब देना है। मंत्रालय ने कहा कि नियम के तहत सैनिकों को ऊपर के आदेश का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि हमले की स्थिति में तुरंत युद्ध में उतरना होगा। अमेरिका ग्रीनलैंड पर करना चाहता है नियंत्रण ग्रीनलैंड आर्कटिक क्षेत्र में स्थित एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्वायत्त क्षेत्र है, जो डेनमार्क के शासन में आता है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है और यह बात सामने आई है कि अमेरिका ग्रीनलैंड पर नियंत्रण हासिल करने के विकल्पों पर विचार कर रहा है, जिसमें सैन्य शक्ति का उपयोग भी शामिल हो सकता है। नाटो सदस्य का ग्रीनलैंड को समर्थन इस चेतावनी के बीच यूरोपीय देशों में चिंता बढ़ी है। फ्रांस, जर्मनी और अन्य नाटो सदस्य ग्रीनलैंड की संप्रभुता का समर्थन कर रहे हैं और अमेरिका को सामूहिक रूप से स्थिति को शांत करने की अपील कर रहे हैं। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा है कि यूरोपीय साझेदारों के साथ मिलकर प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता है। हालांकि अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि वह बातचीत और कूटनीतिक उपायों के लिए तैयार है, पर ट्रंप के आक्रामक रुख ने यूरोपीय नेताओं में बेचैनी पैदा कर दी है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने भी स्पष्ट किया है कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है और किसी भी प्रकार के आजमाए गए कब्जे को खंडित कर दिया जाएगा। ट्रंप को डेनमार्क ने दी चेतावनी डेनमार्क की पीएम ने साफ शब्दों में ट्रंप से कहा, 'डेनमार्क साम्राज्य और ग्रीनलैंड नाटो का हिस्सा हैं। इसकी वजह से यह गठबंधन की सुरक्षा गारंटी के तहत आता है। डेनमार्क और अमेरिका के बीच पहले से ही एक रक्षा समझौता है, जो अमेरिका को ग्रीनलैंड तक व्यापक पहुंच प्रदान करता है।'

हत्या के 10 दिन बाद तेलंगाना में अंतिम संस्कार, निकिता के परिजन बोले- गरिमा का ध्यान रहे

हैदराबाद (एजेंसी)। अमेरिका में कथित तौर पर हत्या की शिकार हुई 27 वर्षीय निकिता गोदिशाला को हैदराबाद में अंतिम विदाई दी गई। मारेंडपल्ली में निजी तौर पर अंतिम संस्कार हुआ। जानें परिवार ने मीडिया से क्या अपील की। अमेरिका में पिछले सप्ताह कथित तौर पर हत्या की शिकार हुई निकिता गोदिशाला को शुक्रवार को हैदराबाद परिवार और मित्रों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

निकिता के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार मारेंडपल्ली स्थित श्मशान घाट में किया गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, अंतिम संस्कार निजी तौर पर संपन्न हुआ। निकिता के पार्थिव अवशेष शुक्रवार सुबह राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे थे। परिवार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि अंतिम संस्कार शांतिपूर्ण और गरिमामय ढंग से किया जाएगा, जिसके लिए पुलिस सुरक्षा भी मांगी गई थी। परिवार ने मीडिया से क्या अपील की? स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत निकिता का परिवार तारनाका में रहता है। परिवार ने एक बयान में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से जिम्मेदार पत्रकारिता का पालन करने, अपुष्ट सूचनाएं प्रकाशित न करने और जांच में सहयोग करने की अपील की, ताकि न्याय की प्रक्रिया गरिमा के साथ पूरी हो सके। अमेरिका के एलिसॉट सिटी की रहने वाली 27 वर्षीय निकिता 2 जनवरी को लापता हो गई थीं। हॉवर्ड काउंटी पुलिस ने बताया कि वह मैरीलैंड के कोलंबिया स्थित अपने पूर्व रूममेट अर्जुन शर्मा (26) के अपार्टमेंट में चाकू के घावों के साथ मृत पाई गईं। अमेरिकी पुलिस ने शर्मा के खिलाफ प्रथम और द्वितीय श्रेणी की हत्या के आरोप में गिरफ्तारी वारंट प्राप्त किया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उसने निकिता की हत्या की और भारत भाग गया। निकिता गोदिशाला के परिवार वालों ने अमेरिका के अधिकारियों से उनकी कथित हत्या के आरोपी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह किया था ताकि उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

किस वजह से अटका व्यापार समझौता

अमेरिकी वाणिज्य सचिव का बड़ा खुलासा; सिर्फ एक कॉल बनी वजह

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने इसके पीछे की वजह के बारे में बताया, जो कि सिर्फ एक फोन कॉल बताई गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से अमेरिकी राष्ट्रपति पद संभाला है, तब से उनकी भारत के साथ रिश्तों में तल्खी सामने आ रही है। भारत पर अमेरिकी टैरिफ का दबाव जारी है। इसी के साथ हालिया टिप्पणी में इस भार को और बढ़ाने की आशंका जताई है। भारत के साथ चल रहे ट्रंप के रिश्तों के बीच अब अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर एक बड़ा और नया खुलासा किया है। एक फोन कॉल और अटकी रह गई ट्रेड डील भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अभी तक अंतिम रूप न दिए जाने के कारण पर उन्होंने दावा करते हुए कहा कि व्यापार समझौता इसलिए अटका हुआ है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात नहीं की। उन्होंने दावे के साथ कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी की ओर से ट्रंप को फोन न करने के कारण यह समझौता अटका हुआ है। हॉवर्ड लुटनिक ने साफ कहा कि ट्रेड डील के अटकने के पीछे की वजह कोई नीतिगत मतभेद नहीं, बल्कि पीएम मोदी का ट्रंप को सीधे फोन नहीं करना है। अमेरिका वाणिज्य मंत्री ने क्या बताया? ऑल-इन पॉडकास्ट में बोलते हुए अमेरिकी वाणिज्य मंत्री लुटनिक ने दावा किया

कि ट्रेड डील की रूपरेखा पूरी तरह से तैयार थी, लेकिन उसे अंतिम रूप देने के लिए पीएम मोदी को डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात करनी थी। बकौल लटनिक भारत सरकार इसके लिए सहज नहीं थी और आखिरकार यह कॉल नहीं की गई, जिसके चलते व्यापार समझौता अटक गया। इंटरव्यू में लुटनिक ने कहा, 'चलिए साफ कर देता हूं, यह उनकी (ट्रंप) डील थी, वही अंतिम फैसला लेते हैं। वही सब कुछ करते हैं। सब कुछ पहले से तय था, इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को सिर्फ राष्ट्रपति ट्रंप को फोन करना था। वे ऐसा करने में असहज महसूस कर रहे थे। पीएम मोदी ने फोन नहीं किया, इसलिए सौदा नहीं हुआ।' इसी के साथ लुटनिक ने यह भी दावा करते हुए कहा कि जिन शर्तों पर भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता लगभग तय माना गया था, वे अब लागू नहीं हैं। इसी के साथ उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका अब पीछे हट चुका है, जिस पर पहले सहमति बनी थी। अब हम उस पर विचार नहीं कर रहे हैं। 500 फीसदी टैरिफ की आशंका यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विधेयक को मंजूरी देने के बाद आया है, जिसके तहत रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर कम से कम 500 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है, जिसका उद्देश्य उन्हें 'दंडित करना' है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि यह विधेयक चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ अमेरिका को जबरदस्त ताकत देगा, जिससे उन्हें सस्ता रूसी तेल खरीदना बंद किया जा सके। भारत पर अब तक 50 फीसदी टैरिफ गौरतलब है कि अगस्त, 2025 में, अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले सामानों पर अतिरिक्त शुल्क लगा दिया था, यह आरोप लगाते हुए कि नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद यूक्रेन में मॉस्को की 'युद्ध मशीन' को बढ़ावा दे रही है। तब से भारतीय सामानों पर कुल शुल्क 50% हो गया है, जिसमें 25% अतिरिक्त शुल्क और ट्रंप द्वारा लगाए गए 25% जवाबी शुल्क शामिल हैं। तब से दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता के कई दौर हो चुके हैं, जिनमें 10 से 12 दिसंबर तक होने वाली बैठक भी शामिल है, जब अमेरिकी अधिकारियों ने नई दिल्ली का दौरा किया था।

कोनसीमा में ओएनजीसी के गैस कुएं में लगी आग बुझाने की कोशिशें जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कोनसीमा जिले में ओएनजीसी के गैस कुएं में लगी आग को काबू में करने के प्रयास जारी हैं। 5 जनवरी को गैस रिसाव के बाद भीषण आग भड़क उठी थी, हालांकि अब उसकी तीव्रता कम हो गई है। ओएनजीसी की टीमें फिलहाल मलबा हटाने में जुटी हैं। आंध्र प्रदेश के डॉ. बीआर अंबेडकर कोनसीमा जिला में स्थित ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन के एक

गैस कुएं में लगी आग को बुझाने के प्रयास शुक्रवार को भी जारी रहे। ओएनजीसी की टीमें फिलहाल घटनास्थल से मलबा हटाने के काम पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, ताकि इसके बाद कुएं के मुंह पर तकनीकी कार्रवाई की जा सके। मजबूती एक से दो दिन में पूरे नियंत्रण की संभावना 5 जनवरी को मोरी और इरसुमंदा गांवों के पास ओएनजीसी के कुएं 'मोरी-5' में गैस रिसाव के बाद भीषण आग भड़क उठी थी। आग की लपटें करीब 20 मीटर ऊंची और लगभग 25 मीटर चौड़ी बताई गईं। हालांकि अब कुएं की तीव्रता में कमी आई है। एक अधिकारी ने बताया कि मलबा हटाया जा रहा है। संभव है कि एक से दो दिन में सारा मलबा साफ हो जाए। उसके बाद ही वेलहेड पर काम शुरू किया जा सकेगा। ब्लोआउट की स्थिति क्या है? तेल व गैस उद्योग में 'ब्लोआउट' उस स्थिति को कहा जाता है, जब दबाव नियंत्रण प्रणालियों के विफल होने के कारण तेल या प्राकृतिक गैस अनियंत्रित रूप से बाहर निकलने लगती है। इस घटना के बाद ओएनजीसी की टीमें पिछले तीन दिनों से आग बुझाने और ब्लोआउट नियंत्रण अभियानों में जुटी हुई हैं।

यूक्रेन हमले में पहली बार ओरेशनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल; रूसी रक्षा मंत्रालय की पुष्टि

मॉस्को / कीव (एजेंसी)। रूस के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि यूक्रेन पर ताजा हमले में नए ओरेशनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। इससे यूक्रेन युद्ध में तनाव और बढ़ गया है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच तनाव और बढ़ गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि यूक्रेन पर किए गए

ताजा हमले में नए ओरेशनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया गया है। इस हमले में कीव में चार लोगों की मौत और कम से कम 22 घायल हुए हैं। प्राकृतिक गैस भंडारण पर निशाना रूस ने यह नहीं बताया कि ओरेशनिक मिसाइल ने कहां निशाना साधा, लेकिन रूस के मीडिया के अनुसार, यह यूक्रेन के पश्चिमी लविव क्षेत्र में एक विशाल भूमिगत प्राकृतिक गैस भंडारण पर निशाना बना। रूस की रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह हमला यूक्रेनी ड्रोन द्वारा राष्ट्रपति पुतिन के निवास पर पिछले महीने कथित हमले का जवाब था। हालांकि, यूक्रेन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे खारिज किया है। लविव के मेयर एंड्री सादोवी ने कहा कि रूस ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया, लेकिन उन्होंने विस्तार में जानकारी नहीं दी। मिसाइल की गति लगभग 13,000 किलोमीटर प्रति घंटे थी। ओरेशनिक मिसाइल को पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेनी फैक्ट्री पर टेस्ट किया गया था। पुतिन का दावा है कि ओरेशनिक की मल्टीपल वारहेड्स की गति टूँ 10 तक होती है और इसे इंटरसेप्ट नहीं किया जा सकता। यह नाभिकीय हथियार भी ले जा सकता है। कीव के कई जिलों में पानी और बिजली बाधित इस हमले के बाद कीव में जिन लोगों की मौत हुई उनमें एक आपातकालीन मेडिकल कार्यकर्ता शामिल है।

गाजा में इस्राइली हमलों में 13 की मौत, अगले हफ्ते शांति बोर्ड की घोषणा कर सकते हैं ट्रंप

डेर अल-बलाह (एजेंसी)। गाजा में इजरायली हमलों में कम से कम 13 लोग मारे गए, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से नाजुक संघर्ष विराम की देखरेख के लिए शांति बोर्ड की घोषणा करने की उम्मीद थी। गाजा में हमास और इस्राइल के बीच पहले दौर के शांति समझौते के बाद भी हमले रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। गाजा में इस्राइली हमलों में कम से कम 13 लोग मारे गए। स्वास्थ्य अधिकारियों और परिवार के सदस्यों ने बताया कि उत्तरी गाजा में और साथ ही गाजा शहर के पूर्व में हुए कई हमलों के बाद मृतकों में कम से कम एक बच्चा शामिल था।

बुनियादी ढांचे और लड़ाकों को बनाया निशाना इस्राइली की सेना ने शुक्रवार को बताया कि उसने गाजा शहर क्षेत्र से लड़ाकों द्वारा दागे गए एक असफल हमले के जवाब में दक्षिणी और उत्तरी गाजा में हमास के बुनियादी ढांचे और लड़ाकों को निशाना बनाया। इन हमलों के बीच इस्राइल और हमास के बीच चरणबद्ध युद्धविराम अभी भी अपने प्रारंभिक चरण में है, क्योंकि गाजा में अंतिम बंधक के अवशेषों को बरामद करने के प्रयास जारी हैं। शांति बोर्ड के एलान के घोषणा की संभावना वहीं अमेरिकी अधिकारी और एक अन्य अधिकारी ने औपचारिक घोषणा होने तक नाम न छापने की शर्त पर इस मुद्दे पर बात की। अधिकारियों ने बताया कि अगले सप्ताह ट्रंप की ओर से शांति बोर्ड की घोषणा किए जाने की संभावना है, जिसकी अध्यक्षता वे खुद करेंगे। उनके मुताबिक यह मध्य पूर्व शांति योजना की दिशा में उनका एक अहम कदम होगा। बता दें कि अक्तूबर में इस्राइल और हमास के बीच दो साल से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष के अंत में हुए युद्धविराम के बाद से यह प्रक्रिया धीमी गति से आगे बढ़ी है। इस्राइल ने बल्गेरियाई राजनयिक को किया नामित इससे पहले गुरुवार (09 जनवरी) को इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि बल्गेरियाई राजनयिक निकोले म्लादेनोव को बोर्ड के लिए 'नामित' महानिदेशक बनाया जाएगा। बता दें कि म्लादेनोव बुल्गारिया के पूर्व रक्षा और विदेश मंत्री हैं, जिन्होंने 2015-2020 तक संयुक्त राष्ट्र के मध्य पूर्व शांति दूत के रूप में नियुक्त होने से पहले इराक में संयुक्त राष्ट्र के दूत के रूप में कार्य किया था। उस दौरान उनके इस्राइल के साथ अच्छे कामकाजी संबंध थे और उन्होंने इस्राइली और हमास के बीच तनाव को कम करने के लिए अक्सर काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की योजना के तहत शांति बोर्ड एक नई तकनीकी-नियंत्रित फलिस्तीनी सरकार, हमास के निरस्त्रीकरण, एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की तैनाती, इस्राइली सैनिकों की अतिरिक्त वापसी और पुनर्निर्माण की निगरानी करेगा। हालांकि अमेरिका ने अब तक इनमें से किसी भी मोर्चे पर बहुत कम प्रगति की सूचना दी है।

ट्रंप ने मादुरो को माफ करने से किया इनकार, वेनेजुएला हमले पर यूक्रेन से तुलना को भी ठुकराया

वॉशिंगटन/काराकास (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में कार्रवाई का बचाव करते हुए मादुरो को माफी देने से इनकार कर दिया और कहा कि यह अमेरिका का

लंबी अवधि का रणनीतिक लक्ष्य है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को माफी देने से साफ इनकार कर दिया है। ट्रंप ने वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि मादुरो ने ड्रग तस्करी गिरोह के लोगों को अमेरिका भेजा था, जिससे देश को गंभीर खतरा हुआ। ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा 'मादुरो को माफ नहीं किया जाएगा। यह बहुत लंबे समय तक चलने वाला ऑपरेशन है और अमेरिका वेनेजुएला में लॉन्ग टर्म लक्ष्य लेकर आया है।' उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल का इस्तेमाल कीमतें कम करने में करेगा और काराकास को वित्तीय सहायता भी देगा। अमेरिकी प्रशासन की ओर से देश की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के नेतृत्व वाली सरकार के साथ काम सुचारू रूप से चल रहा है। हालांकि, रोड्रिग्ज ने हाल ही में ट्रंप को लालची तक कह दिया। रूस-यूक्रेन से तुलना खारिज वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की तुलना रूस के यूक्रेन हमले या चीन-ताइवान विवाद से करने पर ट्रंप ने इसे खारिज कर दिया। उनका कहना था कि मादुरो ने सीधे तौर पर अमेरिका के लिए खतरा पैदा किया और यह स्थिति चीन या रूस जैसी नहीं है।

अलेप्पो में कुर्द लड़ाकों के साथ संघर्ष के बाद युद्धविराम

सीरिया ने किया सीजफायर का एलान

सीरिया (एजेंसी)। सीरिया के अलेप्पो में तीन दिनों की भारी हिंसा के बाद रक्षा मंत्रालय ने युद्धविराम का एलान किया है। सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच हुई इस झड़प में कई लोग मारे गए और हजारों लोग विस्थापित हुए। अमेरिका ने इस कदम का स्वागत किया है। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को अलेप्पो शहर में सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच तीन दिनों से जारी संघर्ष के बाद युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा की। इस हिंसा के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़नकर विस्थापित होना पड़ा है। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, यह युद्धविराम शेख मकसूद, अशरफीह और बानी जैद इलाकों में सुबह 3 बजे से प्रभावी होगा। इसके साथ ही हथियारबंद समूहों को इलाका खाली करने के लिए छह घंटे का समय दिया गया है।

नहीं शहर छोड़ने वाले लड़ाकों को अपने निजी हल्के हथियार साथ ले जाने की अनुमति होगी। उन्हें सुरक्षा घेरे में देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में भेजा जाएगा, जो कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के नियंत्रण में है। इस सबके बीच अलेप्पो के गवर्नर अजाम अल-गरीब ने सुरक्षा बलों के साथ विवादित इलाकों का दौरा किया। हालांकि, एसडीएफ की ओर से अभी तक इस समझौते पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। एसडीएफ की ओर से कोई प्रतिक्रिया अमेरिका ने किया स्वागत सीरिया में अमेरिकी दूत टॉम बैरक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घोषणा का स्वागत किया। उन्होंने सीरियाई सरकार, एसडीएफ और स्थानीय नेताओं के संयम की सराहना की। बैरक ने कहा कि अमेरिका इस छह घंटे की समय सीमा को और बढ़ाने के लिए सभी पक्षों के साथ काम कर रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।